राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 237 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024 www.samaydarshan.in

देश के नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की हुई बैठक

नक्सलवाद के खिलाफ मुख्यमंत्री साय की रणनीति की हुई सराहना

■ छत्तीसगढ़ के सफल नक्सल ऑपरेशन पर केंद्रीय गृह मंत्री ने की तारीफ

रायपुर/ संवाददाता

देश के नक्सल प्रभावित राज्यों में जारी नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियानों पर एक अहम बैठक आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक का केंद्र बिंदु छत्तीसगढ़ का हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ नक्सल विरोधी ऑपरेशन था, जिसमें राज्य की पुलिस ने 31 नक्सलियों को ढेर किया। इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ पुलिस की कुशल रणनीति और राज्य सरकार की योजनाओं की सफलता पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्री नित्यानंद राय तथा छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस ऑपरेशन में

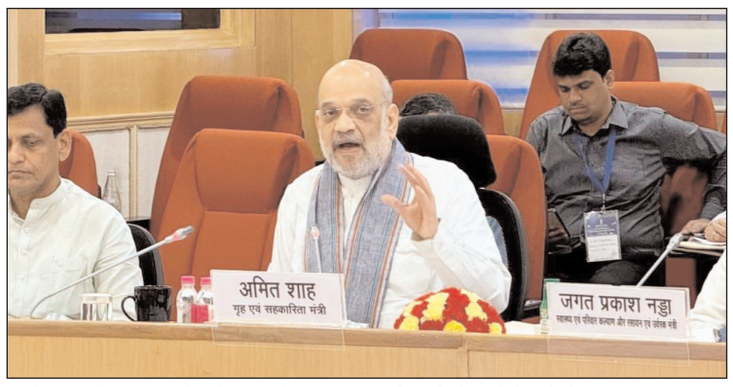

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के सुरक्षा बलों ने लगभग 194 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराए हैं। वहीं 801 नक्सली गिरफ्तार हुए एवं 742 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। उन्होंने कहा आज भी जो युवा नक्सलवाद में लिप्त है उनसे आग्रह है कि हथियार छोड़ कर मुख्य धारा से जुड़े। सभी राज्यों ने आपके पुनर्वास के लिए बेहतर योजनाएं बनाई हैं उसका फायदा लीजिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में नक्सल ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने महीनों की मेहनत और प्लानिंग के बाद इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। ऑपरेशन में करीब 1000 जवान शामिल थे, जिन्होंने 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित गवाड़ी पहाड़ को घेरकर 31 नक्सलियों को ढेर किया। इस ऑपरेशन में कई बड़े नक्सली नेता मारे गए, जिनमें 16 पर कुल 1 करोड़ 30 लाख का इनाम घोषित था। मुठभेड़ में 18 पुरुष और 13 महिला नक्सली मारे गए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने प्रेजेंटेशन में बताया कि कैसे राज्य की पुलिस फोर्स ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। मुख्यमंत्री ने बैठक में केवल ऑपरेशन की सफलता पर ही नहीं, बल्कि राज्य में चल रहे विकास कार्यों पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की गति बढ़ाई गई है। हम निरंतर गाँवों तक बुनियादी सुविधाएँ पहुंचा रहे हैं, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार मिल रहे मार्गदर्शन में हमने माओवादियों के कोर को तोड़ा। ऐसे एरिया में हमने 32 नये कैम्प स्थापित किये हैं, जिसे वो अपनी राजधानी तक कहते थे। उनकी बटालियन के कमांडर हिड़मा के गाँव में भी हमने कैंप स्थापित किया और उसकी माँ को भी स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई।

केंद्रीय गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़ साय सरकार की तारीफ : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि, इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के सुरक्षा बलों ने लगभग 194 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराए हैं। वहीं 801 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं और 742 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। उन्होंने आगे कहा कि, आज भी जो युवा नक्सलवाद में लिप्त है।

मुइज्जू ने मदद के लिए प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद किया

40 करोड़ डॉलर के करेंसी स्वैप पर भी करार

नई दिल्ली/ एजेंसी

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 40 करोड़ अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय मुद्रा विनिमय समझौते और 30 अरब रुपये (360 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की सहायता प्रदान करने के भारत सरकार के फैसले के लिए धन्यवाद दिया। मुइज्जू ने कहा, मैं 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय मुद्रा विनिमय समझौते के अलावा 30 अरब रुपये की सहायता प्रदान करने के भारत सरकार के फैसले के लिए आभारी हूं, यह मदद हमारे सामने मौजूद विदेशी मुद्रा से जुड़े मुद्दों को हल करने में सहायक होगा। पीएम मोदी और मुइज्जू ने आज राष्ट्रीय राजधानी के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। वार्ता के बाद भारत ने आज नकदी की कमी से जूझ रहे मालदीव को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ट्रेजरी बिल रोल ओवर प्रदान किया, इसके अलावा दोनों पक्षों ने 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 3,000 करोड़ रुपये के मुद्रा विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर

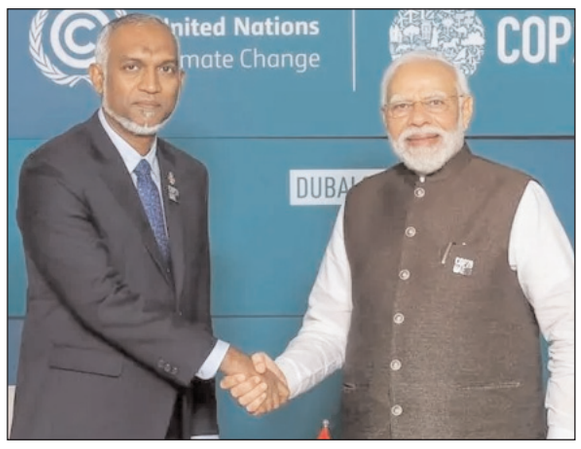

किए। प्रधानमंत्री मोदी ने विकास साझेदारी को नई दिल्ली-मालदीव संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि भारत ने हमेशा मालदीव के लोगों की प्राथमिकताओं को पहले रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, विकास के लिए साझेदारी हमारे (भारत-मालदीव संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हमने हमेशा मालदीव के लोगों की प्राथमिकताओं को पहला स्थान दिया है। इस साल, एसबीआई ने मालदीव के ट्रेजरी बेंच के 100 मिलियन डॉलर का रोलओवर किया। मालदीव की जरूरतों के अनुसार, 400 मिलियन डॉलर और 3000 करोड़ रुपये के मुद्रा स्वैप समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए...सितंबर में, भारत ने घोषणा की थी कि भारतीय स्टेट बैंक 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मालदीव सरकार के बॉन्ड में सब्सक्रिपशन लेगा। इससे पहले मई 2024 में, एसबीआई ने इसी तरह मालदीव सरकार के अनुरोध पर, उसी तंत्र के तहत 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के टी-बिल को सब्सक्राइब किया था। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने आज मालदीव में लॉन्च किए गए रूपे कार्ड भुगतान के पहले लेनदेन को देखा।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम सभा में अचानक आवेदन लेकर पहुंची महिलाएं, गांव में जुआ और अवैध शराब बिक्री से परेशान है ग्रामीण, सरपंच ने एसडीएम से लगाई गुहार, पाटन थाना क्षेत्र का मामला

पाटन। छग के सबसे चर्चित ग्राम पंचायत और पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम रूही में इन दिनों अवैध शराब बिक्री धडल्ले से हो रही है इसके अलावा यहां पर जुआ का कारोबार भी काफी फल फूल रहा है। इससे परेशान गांव की महिलाओं ने ग्राम पंचायत में जाकर सरपंच कुमारी भारती जांगड़े को ज्ञापन सौंपा और मांग किया कि वह गांव में चल रहे अब शराब बिक्री और जुआ पर रोक लगा जाए। इसी आधार पर ग्राम पंचायत रूही के सरपंच कुमारी भारती जांगड़े ने शुक्रवार को एसडीएम कार्यालय पाटन पहुंचकर ज्ञापन सौपा। जिसमें गांव में चल रहे अवैध रूप से शराब बिक्री तथा जुआ पर रोक लगाने की मांग की है। मिली जानकारी के मुताबिक छग का सबसे चर्चित ग्राम पंचायत रूही जो की पाटन थाना अंतर्गत आता है। यह गांव संवेदनशील ग्राम की श्रेणी में भी शामिल है। यहां पर पिछले कुछ माह से जुआ खेलने का दौरा काफी चल रहा है । छोटे-छोटे बच्चे भी इससे प्रभावित हो रहे है। ग्राम की महिलाएं काफी परेशान हैं । इसके अलावा सुबह से लेकर शाम तक ग्राम रूही में शराब बिक्री भी जोर से चलती है। जानकारी के मुताबिक ग्राम के ही आधा दर्जन से अधिक लोग अवैध शराब की बिक्री करते हैं। ग्रामीणों ने अब ग्राम पंचायत को ज्ञापन सौंप कर अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है । 3 अक्टूबर को ग्राम रूही में ग्राम सभा चल रहा था इसी दौरान ग्राम की महिलाएं आवेदन लेकर पहुंची और सरपंच को ज्ञापन सौंप कर ग्राम में चल रहे अवैध कारोबार पर पाबंदी लगाने की मांग भी किया। इसके बाद आवेदक को संज्ञान में लेते हुए पाटन ब्लॉक की सबसे चर्चित सरपंच कुमारी भारती जांगड़े ने आज एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सोपा है। ज्ञापन में उन्होंने जुआ और अवैध शराब के कारोबार पर पाबंदी लगाने की मांग की है। कुमारी भारती जांगडे ने बताया कि गांव में अवैध शराब बिकने से माहौल खराब रहता है छोटे-छोटे बच्चे भी अब शराब को लत लग है है।

राकेश कुमार श्रीवास्त का निधन

राजनांदगांव। शहर के प्रतिष्ठित नागरिक राकेश कुमार श्रीवास्तव (70 वर्ष) का गत दिवस हृदयाघात से दु:खद निधन हो गया। वे अपने पीछे पत्नी व तीन पुत्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये। उनका अंतिम संस्कार लखोली स्थित मुक्तिधाम में किया गया। उपरांत में उपस्थितजनों ने एक शोकसभा आहूत कर मुक्तात्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष श्री आनंद कुमार श्रीवास्तव व जिला अध्यक्ष अरूण कुमार देवांगन ने बताया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग से विगत वर्षों पूर्व सेवानिवृत्त हुए तथा स्थानीय सहदेवनगर निवासी रहे स्व. राकेश कुमार श्रीवास्तव तत्कालीन मध्यप्रदेश के समय से ही तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के सक्रिय सदस्य रहे व कर्मचारी समस्याओं के समाधान हेतु सदैव सक्रिय, यहां तक कि सेवानिवृत्ति के उपरांत भी क्रियाशील रहते हुए साथियों के मध्य बेहद ही लोकप्रिय थे। बेहद ही मुखर व प्रखर तथा सहज, सरल और मिलनसार मधुभाषी व्यवहार के धनी कर्मचारी नेता राकेश कुमार श्रीवास्तव के निधन का दु:खद समाचार मिलने से यूनियन के कर्मचारी साथियों में दु:ख का भाव फैल गया, उनके निधन पर छग प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने शोक प्रकट किया है। कायस्थ समाज के वरिष्ठ सदस्य राकेश कुमार श्रीवास्तव के निधन पर छत्तीसगढ़ कायस्थ महासभा, राजनांदगांव ने बीते 30 वर्षों पूर्व से जमातपारा स्थित समाज के श्री चित्रगुप्त जी मंदिर को सामाजिक सदस्यों के दर्शनार्थ महासभा के द्वारा सुबह शाम खोले जाने के साथ विभिन्न सेवा कार्य को याद करते हुए तथा समाज में उनके अवदानों को याद करते हुए उनके निधन को समाज की अपूरणीय क्षति निरूपित किया। वे साहित्यिक तपोभूमि नगरी राजनांदगांव के ख्यातिलब्ध स्वनामधन्य साहित्यकार रहे स्व. नरेश श्रीवास्तव के बड़े भैया थे। छत्तीसगढ़ कायस्थ महासभा के आनंद कुमार श्रीवास्तव, श्रीनिवास श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव (बालाजी स्टुडियो), रविन्द्र श्रीवास्तव (मुन्नु भैया), प्रवीण श्रीवास्तव, प्रतीक श्रीवास्तव, प्रभाकर श्रीवास्तव, लाला कृष्णकांत श्रीवास्तव, सुनील वर्मा (बिजली विभाग), राजू श्रीवास्तव ने शोक व्यक्त किया है।

दंतेवाड़ा में बेरोजगारी के खिलाफ एक नई पहल: स्वास्थ्य सेवाओं में भर्ती का सुनहरा अवसर

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से जिले के बेरोजगारों के लिए पहली बार स्थानीय स्तर पर भर्ती निकाल कर एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिला कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के नेतृत्व में, जिला खनिज न्यास निधि (छ्रस्त्र) के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई है। यह पहल खासतौर पर उन डिप्लोमा और डिग्री धारक बेरोजगारों के लिए है, जो स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी क्षमता को साबित करना चाहते हैं।

इस योजना के तहत, दंतेवाड़ा जिले में कई महत्वपूर्ण पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें लेब टेक्नीशियन, श्वष्टत्र टेक्नीशियन, छ्रञ्ज स्कैन टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, ङ्क-ऋह्व4 टेक्नीशियन, क्क्र टेक्नीशियन, छ्रस्क्रू टेक्नीशियन, ह्रञ्ज अटेंडर, क्राह्न (पुरुष और महिला), डाटा ऑपरेटर, फार्मासिस्ट, स्टाफनर्स, वार्ड बॉय, ड्रेसर शामिल हैं।

अब तक जिले में विभिन्न टेक्नीशियन पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए जा चुके हैं। भर्ती की प्रक्रिया में लेब टेक्नीशियन, श्वष्टत्र टेक्नीशियन, छ्रञ्ज स्कैन टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्नीशियन, ङ्क-ऋह्व4 टेक्नीशियन, क्क्र टेक्नीशियन और छ्रस्क्रू टेक्नीशियन जैसे महत्वपूर्ण पदों पर साक्षात्कार कर भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है।

इस पहल के माध्यम से न केवल बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा, बल्कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को भी सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। जिला मुख्य स्वास्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ.अजय रामटेके ने बताया कि यह कदम दंतेवाड़ा के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सम्पूर्ण जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए यह पहल बेहद आवश्यक है। आने वाले दिनों में और अधिक विवरणों के साथ भर्ती प्रक्रिया की घोषणा की जाएगी। सभी इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे समय पर अपनी आवेदन प्रक्रियाओं को पूरा करें और इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

इस प्रकार, दंतेवाड़ा जिला एक बार फिर यह साबित करता है कि वह न केवल विकास के पथ पर अग्रसर है, बल्कि अपने युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने में भी गंभीर है।

जिला स्तरीय कला उत्सव में पाटन विकास खंड के बच्चों ने किया अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर छः विधाओं में तीन पर प्रथम स्थान पर रहे

पाटन (समय दर्शन)। समग्र शिक्षा के बैनर तले आयोजित जिला स्तरीय कला उत्सव मे पाटन विकास के बच्चों ने समस्त विधाओं में सहभागिता दी।जिसके लिए विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्री प्रदीप कुमार महिलांगे के सतत मार्गदर्शन ,सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती आकांक्षा अग्रवाल के संयोजन सह समस्त प्राचार्यों का सहयोग रहा।

विकास खंड पाटन के कला उत्सव समन्वयक मोहित कुमार शर्मा ने बताया कि प्रतिभागियों का चयन विद्यालय, संकुल पश्चात मर्रा,पाटन,जामगांव एम तथा भिलाई जोन के चयनित विद्यार्थियों विकास खंड स्तरीय देव बलौदा में आयोजन के आधार पर किया गया।विकास खंड से चयनित शासकीय एवं अशासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी स्कूल के छात्रों ने शकुन्तला विद्यालय राम नगर सुपेला मे विधा के अनुरूप प्रस्तुति देकर सम्मानित हुए। इस अवसर हमारे समस्त सहभागियों को आशिर्वाद प्रदान करने क्षेत्रीय विधायक श्री रिकेश सेन जी बतौर मुख्यातिथि एवं अध्यक्ष के रूप श्री अरविन्द मिश्रा जी जिला शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने पढ़ाई के साथ आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए विभिन्न आंतरिक प्रतिभाओं को प्रदर्शित करते हुए सर्वाधिक राष्ट्रीय विजेता दुर्ग बनें इस आशय के साथ स्नेहिल शुभकामनाएं दी। विद्वान् निर्णायकों के निर्णय के आधार पर पाटन विकास से नृत्य में शिवोम विद्यापीठ सांकरा,नाटक में स्वामी आत्मानंद हिन्दी मिडियम पांहदा, कहानी वाचन में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल पाटन प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित कराने वाले हैं।

द्वितीय स्थान पर गायन स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम अमलेश्वर एवं वादन में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम जामगांव आर को प्राप्त हुआ।

इस प्रतियोगिता मे सफलता दर्ज कराने वाले प्रतिभागियों को जिला शिक्षा अधिकारी श्री अरविंद मिश्रा जी, सहायक संचालक सह जिला नोडल अधिकारी कला उत्सव सुश्री प्रतिष्ठा शुक्ला जी,जिला समन्वयक श्रीमती सरिता श्रीवास्तव जी,विकास खंड समन्वयक लखेश्वर साहू जी, प्रभारी दुर्ग, प्रभारी धमधा का स्नेह आशिर्वाद मिला। इसी तरह खंड स्तरीय आयोजन में संस्था के प्राचार्य श्री टी.आर.साहू जी,ग्राम के वरिष्ठ दाऊ विशाल चन्द्राकर जी,देव कोचिंग सेंटर के संचालक देवतीर्थ साहू जी, माता कर्मा फाउंडेशन, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष श्री तांडी जी समस्त सदस्यों के साथ श्री दिलेश्वर चन्द्राकर एवं तीनों संस्था के प्रमुख,शिक्षकों का सहयोग रहा समस्त स्तर के सफल आयोजन के लिए बी.आर.पी.खिलावन चोपड़िया, समस्त संकुल शैक्षिक समन्वयक के साथ जोन प्रभारी भरत साहू, सत्येंद्र भगत, रोशन देशमुख,जैनेन्द्र गंजीर, खिलेश वर्मा, धरम यादव, महेंद्र बहादुर, बद्री चन्द्राकर,महेंद्र वर्मा, अभिषेक वर्मा आदि के साथ निर्णायक भूमिका में सेवा निवृत्त शिक्षक कृष्ण कुमार धुरंधर, परस राम साहू, रामकुमार वर्मा सेजस चरोदा,व्याख्याता देवेन्द्र बन्छोर सिरसाकला, शिक्षक डां.सरिता साहू धौंराभाठा, रुमा कमल अवधिया शिक्षक घुघवा जमराव ने अपनी सहभागिता दी।खंड एवं जिला स्तर पर मंच संचालन में सहयोग पाटन विकास खंड समन्वयक मोहित कुमार शर्मा शिक्षक का रहा।

दिग्विजय कॉलेज के जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष अतुल रायजादा ने पदभार किया ग्रहण, कॉलेज परिसर का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। अतुल रायजादा को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनंदगांव का जनभागीदारी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा के अतुल रायजादा को अध्यक्ष बनाए जाने से पूरे नगर में हर्ष का माहौल है, उन्हें बधाई देने ताता लगा हुआ है। लगातार युवाओं के हित में काम करने वाले अतुल रायजादा की इस नियुक्ति से कॉलेज के युवाओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और उनके अनुभव का फायदा आज की युवा पीढ़ी को भी मिलेगा।

राजनांदगांव शहर के शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में नवनियुक्त जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अतुल रायजादा ने पदभार ग्रहण किया है और कॉलेज परिसर का निरीक्षण कर अपग्रेड करने की बात कही है। उन्होंने कॉलेज परिसर में स्थित स्वर्गीय राजा दिग्विजय सिंह की प्रतिमा पर

माल्यार्पण कर पदभार ग्रहण किया है। उन्होंने शासकीय दिग्विजय कॉलेज की प्राचार्य से चर्चा करते हुए कॉलेज की मूलभूत समस्याओं की जानकारी ली है।

अतुल रायजादा ने बताया कि कॉलेज में वर्तमान में जो भी मूलभूत समस्या हैं उन्हें सुलझाना और शिक्षा में गुणवत्ता लाना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्टाफ की कमी को दूर कर छात्रों को अच्छे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने का पूरा प्रयास किया जाएगा, पढ़ाई का स्तर सुधारने के लिए काम होगा। उन्होंने कहा कि अपने पूरे कार्यकाल में वे छात्र हित और कॉलेज के स्तर को सुधारने को लेकर काम करेंगे, उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय जिला मुख्यालय का कॉलेज है। जिले के अनुरूप उसे ढालने और उसे अपग्रेड करने का काम पर करेंगे, यह उनका विशेष उद्देश्य रहेगा।

तमनार थाना प्रभारी आशीर्वाद राहटगांवकर को केंद्रीय गृह मंत्रालय से मिला 'दक्षता पदक'

राजनांदगांव (समय दर्शन)। रायगढ़ जिले के तमनार थाना प्रभारी आशीर्वाद राहटगांवकर को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दक्षता पदक से सम्मानित किया गया है। हाल ही में पुलिस अधीक्षक ने उन्हें इस प्रतिष्ठित पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित करते हुए उनके निरंतर समर्पण की सराहना की। पुलिस अधीक्षक ने इस मौके पर अन्य अधिकारियों को भी अपने कार्यों में रुचि लेकर उत्कृष्टता प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

श्री राहटगांवकर ने बताया कि उन्हें यह पुरस्कार राजनांदगांव में पदस्थ रहते हुए एक अंधे कत्ल मामले में आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के लिए मिला। उन्होंने अपनी इस सफलता को पुलिस विभाग और अपने सहकर्मियों

को समर्पित किया है।

राजनांदगांव में पदस्थ रहते हुए उन्होंने 6 साल की नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को उम्रकैद की सजा दिलाई, जिससे पीड़िता को न्याय मिला। श्री राहटगांवकर की इन उपलब्धियों ने न केवल उनके विभाग का मान बढ़ाया है, बल्कि अन्य पुलिस अधिकारियों के लिए भी एक प्रेरणा का काम किया है।

वहीं तमनार थाना प्रभारी रहते हुए श्री राहटगांवकर ने कई महत्वपूर्ण मामलों में सफल कार्यवाही की है। जुलाई 2023 में 7 बाइक चोरों की गिरफ्तारी और सितंबर 2023 में 22 बाइक बरामद कर 2 चोरों को जेल भेजना उनके प्रमुख उपलब्धियों में से है। इसके अलावा, पाली घाट के सेल्फी पॉइंट पर हुए अंधे कत्ल मामले की गुत्थी सुलझाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने मध्य भारत के राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 1 करोड़ उपभोक्ताओं का आंकड़ा पार किया

लखनऊ : होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज देश के मध्य भारत में उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की है, जिसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड और छत्तीसगढ़ शामिल हैं। एचएमएसआई ने इन राज्यों में 1 करोड़ दोपहिया वाहनों की समग्र बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है, जो कंपनी की सशक्त मौजूदगी तथा खरीददारों के पसंदीदा ब्राण्ड के रूप में इसकी मजबूत स्थिति की पुष्टि करता है। होण्डा ने 2001 में अपने पहले दोपहिया वाहन एक्टिवा के साथ भारतीय बाज़ार में प्रवेश किया और इसके बाद कंपनी द्वारा रचा गया इतिहास सबके सामने है। पिछले सालों के दौरान कंपनी ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और विभिन्न क्षेत्रों के उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करते हुए भारत के सबसे पसंदीदा दोपहिया ब्राण्ड्स में से एक रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखे हुए है। इन राज्यों में 1 करोड़ की बिक्री की उपलब्धि एचएमएसआई के उपभोक्ताओं के भरोसे, अटूट विश्वास तथा डीलर पार्टनर्स के सहयोग का प्रमाण है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड और छत्तीसगढ़ एक साथ मिलकर देश का मध्य भाग बनाते हैं। 2001 में अपनी शुरूआत के बाद से एचएमएसआई ने 2017 में इन राज्यों में 50 लाख युनिट्स की बिक्री की उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि अगली 50 लाख युनिट्स तक पहुंचने में कंपनी को 7 साल से भी कम समय लगा और अब कंपनी के परिवार में 1 करोड़ से अधिक उपभोक्ता शामिल हो गए हैं। एक्टिवा क्षेत्र में कंपनी का सबसे ज़्यादा बिकने वाला मॉडल है, इसके बाद 125 सीसी में शाईन 125 और एसपी 125 बेहद लोकप्रिय हैं।

विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र के खुशहाली की कामना की

बसना (समय दर्शन)। देश, प्रदेश व बसना विधानसभा क्षेत्र में सुख शांति के लिए विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने शारदीय नवरात्र के पावन दिवस पर नगर स्थित मां दुर्गा के अनेक मंदिरों में पूजा अर्चना किये। सर्वप्रथम उन्होंने श्री राम जानकी मंदिर,श्री दुर्गा मंदिर, समलेश्वरी माता मंदिर एवं बस स्टैंड आदर्श दुर्गोत्शव पण्डाल में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और माथा टेका तथा शिव मंदिर में महादेव जी को जल अर्पित कर आशीर्वाद लिये। श्रीराम जानकी मंदिर व विभिन्न मंदिर एवं दुर्गोत्व आयोजन समिति की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुजारी किशोर महाराज, जयनारायण अग्रवाल,नगर पंचायत बसना उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा, अशोक जोशी,जनपद सदस्य ताराचंद साहू, अभय धृतलहरें,राधेलाल अजय अग्रवाल, जयनारारायण अग्रवाल, जयभगवान अग्रवाल,अमृत चौधरी, शशिकांत बारीक सहित मंदिर समिति सदस्यगण मौजूद रहें।

विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल रामचंडी मंदिर में पूजा अर्चना कर आवश्यक बैठक में हुए शामिल- प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज रायपुर छत्तीसगढ़ की की ओर से गढफुल्झर स्थित श्री श्री रणेश्वर रामचण्डी मंदिर में रामचण्डी दिवस समारोह का आयोजन आगामी 16 अक्टूबर को आयोजित किया जा रहा। जिसमे छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि होंगे। उक्त समारोह के संबंध में श्री श्री रणेश्वर रामचण्डी मंदिर परिसर गढफुल्झर में आयोजित बैठक में स्थानीय विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल शामिल हुए। सर्वप्रथम

उन्होंने रामचण्डी माता की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना करते शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं दिए। तत्पश्चात उन्होंने बैठक में शामिल होकर लोगों का मार्गदर्शन किये। ज्ञात हो कि प्रतिवर्ष रामचण्डी दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ के सम्माननीय मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाते हैं और वे इस समारोह में शामिल भी होते हैं। तदनुसार इस वर्ष रामचण्डी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने बसना विधायक एवं कोलता समाज के प्रमुख पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंच कर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को आमंत्रित किये है। ऐसे में जब छत्तीसगढ़ के मुखिया का इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आगमन हो रहा है तो इसके लिए एक बेहतर वातावरण एवं तैयारी की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रुपरेखा तैयार किया गया। इस दौरान प्रमुख रुप में कोलता समाज प्रदेशाध्यक्ष गिरधारी साहू,संरक्षक हरिचरण प्रधान,सभापति रसिक प्रधान, महामंत्री मथामणी बढाई, नवीन प्रधान,भाजपा नेता सुवर्धन प्रधान,नगर पंचायत बसना उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा, भाजपा सांकरा मण्डल अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू, गढफुल्झर मण्डल अध्यक्ष माधव साव,पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष संजय भोई, हरजिंदर सिंह,मुकेश प्रधान सहित कोलता समाज के पदाधिकारी व समाजजन मौजूद रहें।

विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने माता दरबार में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र के खुशहाली की कामना की- बसना विधानसभा क्षेत्र में सुख शांति के लिए विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल ने शारदीय नवरात्र के चतुर्थ दिवस रविवार को नगर स्थित माता दरबार में पूजा-अर्चना की और माथा टेका तथा आदियोगी शिव मंदिर में महादेव जी की पूजन कर आशीर्वाद लिये। पूजा प्रबंध समिति की ओर से उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, महामंत्री अभिमन्यु जायसवाल, विधायक कार्यालय प्रभारी प्रकाश सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि विकास वाधवा, निर्मलदास सहित मंदिर समिति सदस्यगण मौजूद रहें।

सार समाचार

लोगों ने लिया जल ओलंपिक का आनंद

रायपुर(समय दर्शन)। धमतरी के रविशंकर जलाशय गंगरेल में आयोजित दो दिवसीय जल जगार महा उत्सव के दूसरे दिन रायपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों से प्रतिभागी और लोग पहुँचे। इस दौरान सबमें जल ओलंपिक को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। यहाँ पहुँचे लोगों ने कयाकिंग, स्वींमिंग, बनाना राईड, फ्री स्टाईल स्वीमिंग, फ्लैग् रैन, थ्रो रो, रिवर क्रॉसिंग आदि का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर रायपुर के संजय बच्चानी, अमित गोयल, राकेश ने धमतरी में जल संरक्षण के लिए की गयी पहल विशेषकर सामुदायिक सहभागिता से किए गए प्रयास और उसके परिणाम को खूब सराहा। प्रतिभागियों का मानना है कि यह केवल शासन-प्रशासन की ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की ज़िम्मेदारी है कि जल संरक्षण के लिए जागरूक हों और पानी की हर बूँद को बचाने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि गिरते भूजल स्तर, पेड़ों की कटाई, सॉइल इरोशन सब विषयों पर चिंता करते हुये भविष्य के लिए जल और पर्यावरण संरक्षण हेतु वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनायें, पौधारोपण की दिशा में काम करना चाहिए। यहाँ जल ओलंपिक में बिलासपुर से आए श्री वेदांत वर्मा ने बताया कि तैराकी उनका शौक़ है, इसलिए जल ओलंपिक में वे हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए सभी को आगे आना चाहिए, क्योंकि जल है तो कल है।

हाफ मैराथन के जरिये, जल बचाने दिखाया उत्साह

रायपुर(समय दर्शन)। ज़िले में जल जगार महा उत्सव के दौरान रविवार दूसरे दिन अल सुबह हाफ मैराथन में सैकड़ों की तादाद में लोग पहुँचे और जल जागरूकता के लिए आयोजित इस विराट आयोजन का हिस्सा बने। रविशंकर जलाशय गंगरेल डैम के मुहाने से शुरू हुई इस हाफ मैराथन को तीन श्रेणियों में आयोजित किया गया। इसमें गंगरेल हाफ मैराथन, एन्डुरन्स रन और वॉकेथॉन शामिल है। गौरतलब है कि गंगरेल हाफ मैराथन के तहत 21.1 किलोमीटर का मैराथन में 18 से 29 वर्ष, 30 से 49 वर्ष तक की आयु वर्ग तथा 50 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागी हिस्सा लिये । इसी तरह एन्डुरन्स रन के तहत 10 किलोमीटर का मैराथन में 15 से 29 वर्ष, 30 से 49 वर्ष तक की आयु तथा 50 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागी शामिल हुए। इसके साथ ही पारिवारिक मनोरंजन के लिए वॉकेथॉन के तहत 5 किलोमीटर का मैराथन में पुरुष और महिला दोनों श्रेणी में लोग हिस्सा लेते नज़र आये। ज्ञात हो यह पूरा आयोजन गंगरेल डैम के गेट से लेकर कुकरेल तक आयोजित किया गया।

वनमंत्री वन्य जीव सप्ताह कार्यक्रम में हुए शामिल

वन्य जीवों के रहवास के लिए छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्र सबसे उपयुक्त : केदार कश्यप

रायपुर(समय दर्शन)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज नया रायपुर स्थित ट्रिपल आईटी के सभागार में आयोजित वन्य जीव सप्ताह कार्यक्रम में शामिल हुए। वन विभाग 2-8 अक्टूबर तक मनाए जा रहे ''सह अस्तित्व से वन्य जीव संरक्षण सप्ताह'' थीम पर आधारित वन्य जीव सप्ताह के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में जन जागरूकता को लेकर विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। राज्य स्तर पर आयोजित विविध गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत एवं सम्मानित करने का कार्यक्रम आज वन विभाग द्वारा ट्रिपल आईटी रायपुर के सभागार में आयोजित हुआ। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस मौके पर विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान करने के साथ ही उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। मंत्री श्री कश्यप ने इस मौके पर वन्य जीव सप्ताह अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छत्तीसगढ़ की रागिनी ध्रुव को प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह और पुरस्कार राशि का चेक भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने इस मौके पर उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। रागिनी ध्रुव अचानक मार्ग टायगर रिजर्व वन क्षेत्र के गांव शिवतराई की रहने वाली हैं। मंत्री श्री कश्यप ने इस मौके पर अपने उद्बोधन में कहा कि जिस तरह छत्तीसगढ़ राज्य की जलवायु और भौगोलिक स्थिति अन्य स्थानों की तुलना में बेहतर है। हमारा राज्य बाढ़, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित है। यहां के वन क्षेत्र वन्य जीवों के रहवास के लिए बेहद उपयुक्त है। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल से ही हमारे वनवासियों भाईयों का वन्य जीवों से मित्रवत व्यवहार रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में इसमें बदलाव आया है, जिसके चलते यदा-कदा द्वन्द की स्थिति देखने और सुनने को मिलती है।

पहाड़ी क्षेत्र की रामबाई के लिए महतारी वंदन योजना की राशि किसी संजीवनी से कम नहीं

रायपुर(समय दर्शन)। अपने घर की परछी में मक्के का बीज निकालती रामबाई खुश है कि इस बार दशहरा-दीपावली के त्यौहार के समय बहुत ज्यादा आर्थिक समस्याओं से नहीं जूझना पड़ेगा। कोरबा शहर से लगभग सौ किलोमीटर दूर जंगल और पहाड़ी इलाकों में रहने वाली रामबाई के लिए जीवनयापन किसी जद्दोजहद से कम नहीं है। वह बताती है कि जब से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने महतारी वंदन योजना शुरू की है तब से उन्हें अपने खाते में हर माह एक हजार रुपए आने की गारण्टी मिल गई है। उनका कहना है कि वह आने वाले दशहरा-दीपावली को बीते बरसो की तुलना में बहुत बेहतर तरीके से मनाएगी। कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में दूरस्थ क्षेत्र ग्राम जजगी में रहने वाली रामबाई आयाम बताती है कि इस बार बरसात ठीक-ठाक हुई है लेकिन पहाड़ी इलाकों में पानी का ठहराव कुछ देर तक नहीं रहता। इन इलाकों में मक्के की फसल लेनी होती है। उन्होंने अपनी बाड़ी में मक्के की फसल ली थी, अब मौसम के साथ ही मक्के को तोड़कर बीज अलग कर रही है। रामबाई ने बताया कि उनके क्षेत्र में धान का फसल लेना बहुत बड़ी चुनौती है। कई बार मौसम दगा दे जाता है। बारिश नहीं होने पर भी खेत में ही फसल सूख जाते हैं। ऐसे में ज्यादातर ग्रामीण मक्के सहित कम पानी में पैदा होने वाले फसलों पर ध्यान देते हैं और जीविकोपार्जन के लिए बकरी सहित अन्य पशुओं का पालन करते हैं। रामबाई ने बताया कि उनके गाँव में अधिकांश गरीब परिवार निवास करते हैं। गांव की ज्यादातर महिलाएं जीवकोपार्जन के लिए बहुत जद्दोजहद करती हुई घर चलाती है, उन्हें दिन भर कुछ न कुछ परिश्रम करना पड़ता है। ऐसे में जब महतारी वंदन योजना की शुरुआत हुई तो कुछ महिलाओं को भरोसा नहीं था कि हर माह उनके खाते में एक हजार आएगा। अब जबकि 7 महीने हो गए हैं और एक हजार रुपये निरंतर खाते में आ रहा है तो उनका भरोसा और विश्वास छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति बढ़ता ही जा रहा है। रामबाई ने बताया कि आने वाले समय में दशहरा-दीपावली है। इस दौरान माह में मिलने वाली एक हजार की राशि उनके जैसी अनेक जरूरतमंद महिलाओं के लिए खुशियों के साथ त्यौहार मनाने में मददगार साबित होगी। इस राशि से वे कुछ कपड़े, मिठाई सहित अन्य जरूरी सामग्री अवश्य खरीद पाएंगी।

रोगों के निदान में रेडियोलॉजी का योगदान महत्वपूर्ण : बृजमोहन

आईआरआईए का रेजिडेंट एजुकेशन प्रोग्राम चिकित्सा महाविद्यालय के नये ऑडिटोरियम में प्रारंभ

रायपुर(समय दर्शन)। इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) सीजी चैप्टर, पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय का रेडियोडायग्नोसिस विभाग और इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईसीआरआई) के संयुक्त तत्वावधान में पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय स्थित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी सभागार (नये ऑडिटोरियम) में दो दिवसीय रेजिडेंट एजुकेशन प्रोग्राम (आईआरईपी-2) का शुभारंभ शनिवार को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मनोज पिंगुआ रहे। छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में पहली बार ऐसा राष्ट्रीय स्तर का आयोजन विशेष रूप से रेडियोलॉजी के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए किया गया है। इस आयोजन को राजधानी में कराए जाने में चिकित्सा महाविद्यालय रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. आनंद जायसवाल की विशेष भूमिका रही । कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि बीमारियों के उपचार की दिशा में रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग का महत्वपूर्ण योगदान है। रेडियोलॉजी जांच के बाद ही बीमारी की दशा और उसके उपचार की दिशा तय होती है। उपचार की कोई भी विधा हो बिना रेडियोलॉजी और इमेजिंग जाँच के मरीज को क्या उपचार दिया जाए? यह तय करना संभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रदेश का सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज होने के नाते रायपुर मेडिकल कॉलेज में वर्तमान समय में रेडियोडायग्नोसिस एवं रेडियोथेरेपी विभाग में जांच एवं उपचार की अत्याधुनिक मशीन स्थापित है और ऐसा विश्वास है कि आने वाले समय में यह विभाग जांच एवं उपचार तकनीक की दिशा में और भी उन्नत होगा। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मनोज पिंगुआ ने कहा कि रेडियोलॉजी एक ऐसी विधा है जो रोगी के शरीर में उत्पन्न असामान्यताओं का विश्लेषण करके उसका सटीक और प्रभावी उपचार प्रदान करने में अपनी मुख्य भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के वैज्ञानिक सत्र में दिल्ली के सीएनबीसी पीडियाट्रिक हॉस्पिटल से आई डॉ. नताशा गुप्ता ने बाल चिकित्सा छाती एवं उदर विकृति विज्ञान की व्यापक केस-आधारित समीक्षा विषय पर पीजी छात्रों को पढ़ाया और प्रश्नोत्तरी सत्र के माध्यम से छात्रों के विषय आधारित ज्ञान की परीक्षा ली। पंडित नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय में रेडियोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ.एस. बी.एस.नेताम ने शरीर के निचले अंग यानी लोअर लिंब के वीनस डॉपलर विषय के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए छात्रों को पढ़ाया। फिल्म रीडिंग सत्र- पारंपरिक रेडियोग्राफ विषय पर पटना से आये डॉ. अशोक कुमार मंडल, स्पॉटर्स पर डॉ. सीडी साहू और केस-आधारित समीक्षा और ओएससीईएस- नेफ्रो/यूरो-रेडियोलॉजी विषय पर डॉ. सिकंदर शेख (हैदराबाद) ने व्याख्यान और जानकारी दी। इस अवसर पर पं.जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी, इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ चैप्टर के संरक्षक, पूर्व डीएमई एवं वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट डॉ. विष्णु दत्त और कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. डॉ. शुभकृति अग्रवाल समेत आयोजन कमिटी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन बना पहचान : हर घर शुद्ध और स्वच्छ पेयजल पहुंचना हुआ आसान

रायपुर(समय दर्शन)। मोदी सरकार ने देश के सभी गांवों में हर घर तक साफ और सुरक्षित पानी पहुंचाने की संकल्पना के साथ 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन की शुरुआत की थी। इस योजना का उद्देश्य भारत के ग्रामीण इलाकों में नल के जरिये स्वच्छ जल पहुँचाना है। मोदी की गारंटी के अनुरुप छत्तीसगढ़ की विष्णु देव सरकार ग्रामीणजनों को शुद्ध और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। जल जीवन मिशन योजना माहिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है, क्योंकि घर में पानी की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी आमतौर पर महिलाओं की होती है। पानी की व्यवस्था के लिए महिलाओं को लंबी दूरी तय करने के साथ-साथ समय भी जाया करना पड़ता था। घर मे नल से जल उपलब्ध होने से शारीरिक थकान से मुक्ति मिलेगी और जो समय बचेगा उसका उपयोग किसी अन्य कार्य को करने में किया जाएगा। जल जीवन मिशन के तहत् नल जल योजना से रायपुर जिले के धरसींवा विकासखंड के ग्राम नकटी में जल उत्सव का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत के सरपंच श्रीमती कुमुद टण्डन ने बताया कि अब गांव के सभी परिवार को शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। उनका कहना है कि पूर्व में कुएं और हैंड पंप से पानी भरना पड़ता था, जिसमें अतिरिक्त मेहनत के साथ ही काफी समय व्यय होता था। पानी की शुद्धता भी बहुत अच्छी नहीं रहती थी। प्रदेश सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत् घर-घर नल से जल पहुंचाने की पहल से हमारे तथा हमारे परिवार तथा गांव की अन्य परिवारों की समस्याओं का निदान हो गया है। निश्चित समय पर नल से पानी आ जाता है। इस व्यवस्था से हम निश्चित रूप से अपनी दैनिक दिनचर्या एवं व्यवसाय भी कर पायेंगे।

अपूर्वा को ग्रीन समिट सम्मान

रायपुर(समय दर्शन)। तीन दिवसीय राष्ट्रीय ग्रीन समिट के तकनीकी सत्र में बस्तर की बेटी, अपूर्वा त्रिपाठी ने बस्तर में जैविक पद्धति से की जा रही लाभदायक बहुस्तरीय खेती के अंतर्गत जड़ी बूटियों की खेती तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए %नेचुरल ग्रीनहाउस मॉडल% पर अपना वक्तव्य देते हुए कहा कि नेचुरल ग्रीनहाउस न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने का भी एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। यह मॉडल प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाला साबित हो रहा है। अपूर्वा, कानून विशेषज्ञ होने के साथ-साथ वनवासी महिलाओं के अधिकारों पर शोध कर रही हैं, जिन्होंने दुर्लभ और औषधीय पौधों की खेती से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। अपने कार्य अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि मां दंतेश्वरी हर्बल फर्म्स एवं रिसर्च सेंटर द्वारा डॉ. राजाराम त्रिपाठी के नेतृत्व में विकसित नेचुरल ग्रीनहाउस मॉडल किसानों के लिए बेहतर साबित हो सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपूर्वा त्रिपाठी के प्रदर्शन को सराहते हुए उन्हें सम्मानित किया गया तथा ग्रीन समिट विशिष्ट-सम्मान% प्रदान किया गया।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अकाशवाणी रायपुर के पास स्थित काली माता मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना कर प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

मुनि सुधाकर ने पुलिस जवानों से कहा, प्रसन्नता के रसायन का सेवन करें

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर पुलिस लाइन में परेड के बाद आचार्य श्री महाश्रमण के सुशिष्य मुनिश्री सुधाकर जी के सान्निध्य में आज गतिमान अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह अंतर्गत अणुव्रत समिति व पुलिस प्रशासन, रायपुर द्वारा तनाव प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन पुलिस परेड़ ग्राउंड में पुलिस अधिकारियों व पुलिस कर्मियों के साथ विशेष रूप में एसएसपीश्री संतोष सिंह जी की उपस्थिति में किया गया। मुनि सुधाकर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा मानसिक तनाव की समस्या वर्तमान युग की प्रमुख और जटिल समस्या है उससे छुटकारा पाने के लिए हमें अध्यात्म का सहारा लेना चाहिए आध्यात्मिक नियमों से तनाव प्रबंधन संभव है मुनि सुधाकर जी ने तनाव प्रबंधन के पांच सूत्रों की चर्चा करते हुए कहा अपने में खुश रहो दूसरों से अपनी तुलना मत करो आगे की फिक्र एवं पीछे का जिक्र मत करो स्वयं पर नियंत्रण रखो परिस्थिति से अधिक मन स्थिति पर ध्यान दो परिस्थितियों बदलती रहती है मनस्थिति न बदले हर परिस्थिति में मुस्कुराते रहें सोच को सकारात्मक रखें एवं इच्छाओं का परिष्कार करें वह अपनी सीमाओं को समझते हुए फल के आग्रह का चिंतन न करें। एसएसपी संतोष सिंह ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए प्लानिंग कर कार्य करने की सलाह दी ताकि तनाव हमारे से दूर रह सके जिससे समय का सही नियोजन हो सकेगा। तनाव को दूर करने के लिए हमें अपने कार्य क्षेत्र से हटकर भी कार्य करने चाहिए जिससे हमारा ध्यान तनाव से दूर हो कर उस क्षेत्र में लगे जैसे बागवानी, पुस्तक पढ़ना, खेल आदि। उन्होंने बताया कि दुनिया में हम अर्थात पुलिसकर्मी ही नहीं मेडिकल रिपोर्ट अनुसार लगभग पैसठ प्रतिशत लोग तनावग्रस्त है।

अभी सचेत नहीं हुए तो भू-जल भी प्रदूषित हो जाएगा : विधानसभा अध्यक्ष

जन भागीदारी से ही होंगे जल संचय और जल संरक्षण के प्रभावी काम - अरुण साव

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज धमतरी के गंगरेल बांध के किनारे आयोजित दो दिवसीय जल जगार महा उत्सव और अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। लोगों को जल संरक्षण और जल संचय के प्रति जागरूक करने दो दिवसीय जल जगार महा उत्सव के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया गया था। इन गतिविधियों में धमतरी जिले के साथ ही प्रदेशभर के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन में चार देशों के प्रतिनिधियों सहित देश के प्रसिद्ध पर्यावरणविदों, जल संरक्षकों, नीति निर्माताओं, विशेषज्ञों और गैर-सरकारी संगठनों ने अपनी बातें रखीं। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने जल जगार महा उत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जल की एक-एक बूंद को बचाने की चिंता करने के लिए इस जल जगार महा उत्सव का आयोजन किया गया है। इस दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भारी संख्या में लोगों की भागीदारी को देखकर इसकी सफलता का अंदाजा लगाया जा सकता है। हजारों लोग इनमें भागीदार बन रहे हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि पर्यावरण के प्रति यदि हम अभी सचेत नहीं हुए तो भू-जल भी प्रदूषित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के विशेषज्ञों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणविदों और जल के संरक्षण-संवर्धन के लिए जिन लोगों ने अपना जीवन खपा दिया, ऐसे लोगों को धमतरी की धरती पर बुलाकर इस शानदार आयोजन के लिए मैं जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई देता हूं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जल संचय और जल संरक्षण पूरी दुनिया में आसन्न जल संकट से निपटने का एकमात्र उपाय है। इसके लिए पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है और जरुरी कदम उठाए जा रहे हैं। समाज और आम लोगों को भी इसके लिए आगे आना होगा, तभी हम अपनी जल धरोहरों को बेहतर ढंग से संरक्षित कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि पीएचई और नगरीय प्रशासन मंत्री के रूप में राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति की महती जिम्मेदारी मेरे विभागों की है। श्री साव ने जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान, अमृत सरोवर, मिशन अमृत और एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियानों का उल्लेख करते हुए कहा कि कि भारत सरकार की अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम और अभियान जल और पर्यावरण के संरक्षण-संवर्धन को समर्पित हैं। उन्होंने माता अंगार मोती की पवित्र धरती पर जल जगार महा उत्सव और अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन के सफल आयोजनों के लिए जिला प्रशासन की पीठ थपथपाई। जल जगार महा उत्सव और अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन के समापन कार्यक्रम को सांसद भोजराज नाग और रुपकुमारी चौधरी ने भी संबोधित किया। समापन कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने महा उत्सव के तहत आयोजित जल विधानसभा के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की अपनी भूमिकाओं की झलक भी दिखाई। अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन के समापन सत्र मे वनमंडलाधिकारी कृष्णा जाधव ने अपने प्रतिवेदन मे बताया कि दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय जल सम्मलेन में देश-विदेश के 150 से ज्यादा प्रतिनिधि, 69 जल विशेषज्ञ और वक्तागण सहित पद्मश्री से सम्मानित तीन पर्यावरणविद शामिल हुए। डेनमार्क, जापान, श्रीलंका और यूनिसेफ़ के प्रतिनिधियों ने भी अपनी भागीदारी दी। उन्होंने कहा कि इस सम्मलेन से जल प्रबंधन और संचयन के क्षेत्र में नया दृष्टिकोण मिला है। निश्चित रूप से इस सम्मलेन से जिले में जल संचय और जल संरक्षण के कार्यों को नई दिशा मिलेगी। श्री जाधव ने कहा कि नारी शक्ति से जल शक्ति तक की सोच ने जल जगार जैसे नवाचारी अभियान को मूर्त रूप दिया। इस अवसर पर कलेक्टर नम्रता गाँधी ने सम्मेलन के निष्कर्षों और सुझावों को अतिथियों को सौंपा। विधायक रोहित साहू और दीपेश साहू तथा पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरु निषाद भी जल जगार महा उत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए।

संपादकीय

विश्व शतरंज में भारत का दबदबा

शतरंज ओलम्पियाड में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत ने स्वर्ण पदक जीत लिए, तो यह कोई संयोग नहीं है। बल्कि यह विश्व शतरंज में भारत की बनी ताकत का इज़हार है। शतरंज ओलम्पियाड में रविवार को भारत कामयाबी की जिस ऊंचाई पर पहुंचा, उचित ही उसकी तुलना 1983 में क्रिकेट विश्व कप में भारत के चैंपियन होने और ओलंपिक्स में 2008 में अभिनव बिंद्रा के भारत की ओर से पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने से की गई है। इस सफलता के साथ भारत की जो अन्य अभिनव उपलब्धियां याद आती हैं, उनमें 2021 में एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा का भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतना और 2022 में बैडमिंटन में पहली भारत का थॉमस कप जीतना शामिल है। वैसे इस सफलता का जिस उपलब्धि से सीधा संबंध है, वह साल 2000 में विश्वनाथन आनंद का विश्व शतरंज विजेता होना है। सीधा संबंध इसलिए क्योंकि आनंद की कामयाबी तब से भारत के तमाम शतरंज खिलाडियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है। उसके बाद शतरंज की ऐसी संस्कृति बनी और भारत में शतरंज प्रतिभाओं का ऐसा विस्फोट हुआ कि 2010 आते-आते देश के 23 खिलाड़ी ग्रैंड मास्टर बन गए। आज ये संख्या 80 से ज्यादा हो चुकी है। पांच खिलाडियों को सुपर ग्रैंड मास्टर' का दर्जा मिला हुआ है। 25 टॉप खिलाडियों की विश्व रैंकिंग में भारत के पांच खिलाड़ी हैं। भारत के डी गुकेश इस वर्ष विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिए चैलेंजर का दर्जा हासिल कर चुके हैं। अगले नवंबर में वे मौजूदा चैंपियन चीनी खिलाड़ी के साथ खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। कहने का तात्पर्य यह कि शतरंज ओलम्पियाड में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत ने स्वर्ण पदक जीत लिए, तो यह कोई संयोग नहीं है। बल्कि यह विश्व शतरंज में भारत की बनी ताकत का इज़हार है। वैसे भी ऐसी सफलताओं के लिए यह अनिवार्य होता है कि संबंधित देश के पास खिलाडियों की लंबी कतार हो। देश के अंदर प्रतिस्पर्धा का ऊंचा स्तर खिलाडियों में वह आत्म-विश्वास और धार प्रदान करता है, जिससे विश्व स्तर पर वे अनुपम उपलब्धि हासिल कर सकें। ये बात भी पूरे भरोसे के साथ कही जा सकती है कि ताजा सफलता यहीं तक सीमित नहीं रहने वाली है। बल्कि आने वाले वर्षों में विश्व शतरंज में भारत का दबदबा एक आम कहानी बन सकती है।

इजराइल पर हमास के भीषण आतंकी हमले का एक वर्ष पूरा, साल भर में यह संघर्ष क्षेत्रीय युद्ध में बदल चुका है

नीरज कुमार दुबे

इजराइल पर हमास के भीषण आतंकी हमले को आज एक साल पूरा हो गया। इजराइलियों ने आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को याद किया और बंधकों की शीघ्र रिहाई के लिए प्रार्थना की। हम आपको याद दिला दें कि एक साल पहले हमास के आतंकवादियों ने 7 अक्टूबर को इज़राइल में रॉकेट हमलों के अलावा जमीनी हमले भी किये थे। हमास के आतंकवादियों ने 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और लगभग 250 बंधकों को वह गाजा ले गए थे। इसी हमले की याद में यरूशलम में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर के बाहर, बंधकों के परिवारों के नेतृत्व में लगभग 300 लोगों ने अपने प्रियजनों की तस्वीरें लेकर मृतकों के लिए एक मिनट का मौन रखा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम अभी भी पिछले साल हुए हमले के गम में हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम खुद को, अपने प्रधानमंत्री को और इज़राइल की जनता को यह याद दिलाने के लिए इस दिन की शुरुआत एक साथ करना चाहते थे कि भले ही यह दु:ख का दिन है, फिर भी बंधकों को वापस लाने का हमारा मिशन जिंदा है।

इसके अलावा, रीम स्थित संगीत समारोह स्थल जहां 360 से अधिक लोग मारे गए थे और दर्जनों को बंधक बना लिया गया था, वहां आयोजित कार्यक्रम की राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग ने अध्यक्षता की। यहां समारोह में एक साल पहले पार्टी में बजाए गए आखिरी ट्रैक को फिर बजाया गया। राष्ट्रपति हर्ज़ोग ने कहा, 卐हम हमेशा याद रखेंगे कि किसने अपहरण किया, किसने हत्या की, किसने बलात्कार किया, किसने कत्लेआम किया। साथ ही, हमने असाधारण धैर्य भी देखा है। हमारे पास अद्भुत लोग हैं और हम मजबूती के साथ खड़े हैं।

हम आपको बता दें कि इजराइली सेना और पुलिस ने कहा है कि सुरक्षा बल आज पूरे देश में हाई अलर्ट पर हैं क्योंकि उन्हें 7 अक्टूबर, 2023 की सालगिरह के दिन संभावित फिलिस्तीनी हमलों की आशंका थी। रिपोर्टों के मुताबिक, इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में आवाजाही आज बाधित है साथ ही प्रवेश परमिट रखने वाले कुछ फिलिस्तीनियों को उनके मोबाइल फोन पर नोटिस मिला है कि उन्हें सोमवार को इज़राइल में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हम आपको बता दें कि गाजा में 101 इजराइली अब भी बंधक बने हुए हैं। इजराइली सेनाएं क्षेत्र पर हमास के शासन को खत्म करने और उसकी सैन्य क्षमताओं को ध्वस्त करने के अपने मिशन पर लगातार आगे बढ़ रही हैं। लेकिन युद्ध का ध्यान तेजी से उत्तर की ओर लेबनान में स्थानांतरित हो गया है, जहां ईरान समर्थित हिज्बुल्ला समूह द्वारा मिसाइलों की बौछार शुरू करने के बाद से इजराइली सेना गोलीबारी कर रही है। सीमित दैनिक संघर्ष के रूप में जो चीज शुरू हुई थी वह बेरूत में हिजबुल्लाह के गढ़ पर बमबारी और सीमावर्ती गांवों में जमीनी हमले में बदल गयी। इजराइल के हमले में पिछले दो हफ्तों में 1,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। इसके अलावा दक्षिणी लेबनान से बड़े पैमाने पर पलायन शुरू हो गया है, जहां 1 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि इजराइल ने 1 अक्टूबर को दूसरे ईरानी हमले पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उसने कड़ी प्रतिक्रिया देने की कसम खाई है। इजराइली हवाई हमलों में हमास और हिजबुल्ला नेताओं के मारे जाने के जवाब में ईरान ने जब इस सप्ताह इजराइल पर 180 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइल दागीं थीं तो कुछ लोग तेहरान की इस जोरदार प्रतिक्रिया को देखकर दंग रह गये। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने तुरंत एक निश्चित समय पर कठोर जवाबी कार्रवाई की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि देर रात जब उनके सुरक्षा मंत्रिमंडल ने एक बैठक की तो उसमें तय हुआ कि जो कोई भी हम पर हमला करेगा, हम उस पर हमला करेंगे। इसलिए यह देखना जरूरी हो जाता है कि इजराइल की जवाबी कार्रवाई कैसी हो सकती है और क्या ईरान व इजरायल के बीच युद्ध की शुरुआत हो सकती है या फिर अमेरिका अपने वादे के अनुरूप इजराइल के लिए युद्ध में शामिल हो सकता है?

वैसे देखा जाये तो क्षेत्रीय युद्ध अब लगभग शुरू हो चुका है। लगभग एक वर्ष पहले गाजा में शुरू हुआ संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया में फैल चुका है। इजराइल अपनी सीमा से दूर देशों और समूहों से लड़ रहा है, जिसके कई वैश्विक परिणाम भी हैं। ईरान द्वारा किये गये हमले से ये साफ है कि यह संघर्ष एक तरफ इजराइल व उसके पश्चिमी सहयोगियों और दूसरी तरफ रूस व चीन द्वारा समर्थित ईरान और उसके सहयोगियों के बीच सीधा टकराव बन गया है। अमेरिका ने इजराइल को सैन्य और कूटनीतिक सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जबकि रूस ने ईरान को लड़ाकू विमान और वायु रक्षा तकनीक भेजने का वादा किया है। रूस, यूक्रेन के साथ अपने युद्ध के लिए ईरान से हथियार भी खरीद रहा है, जिससे तेहरान को बहुत जरूरी नकदी प्राप्त हो रही है।

दूसरी ओर, इजराइल कई मोर्चों पर जंग लड़ रहा है। सबसे पहले इजराइल और गाजा के बीच युद्ध जारी है। इस युद्ध में 40,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। हमास एक गुरिल्ला संगठन बन चुका है हालांकि अब भी विस्थापित फलस्तीनी आबादी पर उसका कुछ नियंत्रण है। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) वेस्ट बैंक में बढ़ती आतंकी घटनाओं से पार पाने के लिए ईरान द्वारा मुहैया हथियारों और वित्तपोषित स्थानीय आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहा है। इस बीच इराक व सीरिया में शिया उग्रवादी और यमन में हूती विद्रोही अभी भी इजराइल के खिलाफ मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि शिया और हूती ईरान के अन्य छद्म समूह हैं। वहीं इजराइल और अमेरिका दोनों ने यमन में हूती विद्रोहियों पर जवाबी हमला किया है।

इजराइल ने दो सप्ताह पहले एक निर्णायक कदम उठाते हुए हिज्बुल्ला द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हजारों पेजर और वॉकी-टॉकी में विस्फोट करने का आदेश दिया क्योंकि नेतन्याहू को डर था कि इस ऑपरेशन के उजागर होने का खतरा है। इसके बाद इजराइली सेना ने हिज्बुल्ला के एक शस्त्रागार को नष्ट करने के उद्देश्य से एक बड़े पैमाने पर हवाई अभियान चलाया। इस शास्त्रागार में 150,000 मिसाइलों, रॉकेट और ड्रोन होने का अनुमान था। इजराइली हमले के परिणामस्वरूप लगभग दस लाख लेबनानी लोगों को अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

और अब ईरान भी सीधे तौर पर जंग में शामिल हो चुका है तो एक चीज जो तेहरान को बहुत चिंतित कर रही है वह यह है कि इजराइल, अमेरिका के साथ मिलकर उसके महत्वपूर्ण ठिकानों या फिर सुविधा केंद्रों को निशाना बना सकता है। ईरान को

राजनैतिक दलों के बिगड़े बयान, क्यों? कैसे रुके?

अजय दीक्षित

इधर कुछ दिनों से भारत के राजनैतिक दल एक दूसरे के हर काम की समीक्षा करते हुए दूसरे दलों की आलोचना करते हैं । यह ऐसा ही है मानों हम अपने पड़ौसी के घर बने खाने की ताक-झांक करते हैं और कहें कि इन्होंने भिण्डी की सब्जी क्यों बनाई? या इन्होंने दाल मसूर की क्यों बनाई? अब यह आपके पड़ौसी के घर का मामला है, आपको इससे क्या लेना ! अब आतिशी के दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने पर कांग्रेस और अन्य दल अनेक प्रकार की बयानबाजी कर रही है । अभी लोकसभा चुनाव में आप पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था । कन्हैया कुमार तो सुनीता केजरीवाल से भी मिला था । विगत सम्बन्धों को देखते हुए कुछ तो संयम और मर्यादा बरतनी चाहिए । भाजपा के प्रवक्ता तो अब जरा जरा सी बात पर सभी गैर भाजपा पार्टी पर बिफर पड़ते हैं । अरे, अगर भाजपा को दिल्ली जीतनी है तो जनता के पास जायें । पिछले दो चुनाव में कांग्रेस को तो दिल्ली विधानसभा में एक भी सीट नहीं मिली और भाजपा को एक बार मात्र तीन और दूसरी बार छ- या सात सीटें मिलीं । असल निर्णायक जनता होती है । शायद भाजपा के प्रवक्ता समझते हैं कि सभी विपक्षी पार्टियों की आलोचना करने पर मोदी जी खुश हो जाएंगे । आजकल संबित पात्रा नहीं दिखलाई पड़ते । 2019 के लोकसभा चुनाव में वे पुरी(उड़ीसा) से हार गये थे । इस बार जीत गये परन्तु इसका बड़ा कारण यह था कि कांग्रेस की महिला प्रत्याशी ने चुनाव के लिए प्रचार किया ही नहीं । उन्होंने अपना नाम भी वापस नहीं लिया और चुनाव लड़ा भी नहीं । शायद संबित पात्रा उड़ीसा के मुख्यमंत्री बनना चाहते हों या केन्द्रीय मंत्रिमंडल में जगह । अब भाजपा के प्रवक्ता कह रहे हैं कि आतिशी के माता-पिता अफजल गुरु का साथ दे रहे थे । अब अफजल गुरु की फांसी को मेहबूबा मुफ्ती भी ग़लत बतलाती हैं जिसके साथ भाजपा ने मिलकर कश्मीर में सरकार बनाई थी ।

इधर राहुल गांधी के बारे में भाजपा प्रवक्ता, महाराष्ट्र के मंत्री आदि ऐसी-ऐसी बातें कह रहे हैं जो कानून का खुला उल्लंघन है । परन्तु इस पर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कुछ नहीं बोल रहा है । स्वयं स्वयं प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि कांग्रेस को भी उनके गणेश पूजन पर भी आपत्ति है । असल में मुद्दा यह है कि प्रधानमंत्री गणेश उत्सव पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के घर गये थे । वहां शायद पूजन चल रहा होगा तो उन्होंने उस पर भाग ले लिया । इस पर किसी को क्या आपत्ति हो सकती है । असल प्रश्न है प्रशासन और जुडीशियरी का अलग-अलग रहना । कोई यह नहीं कह रहा है कि प्रधानमंत्री कहीं जा नहीं सकते । वे देश के सर्वोच्च नेता हैं । उन पर कोई पाबंदी नहीं लगा सकता । परन्तु अच्छा होता कि मुख्य न्यायाधीश के घर न जाकर उनसे कहीं और किसी मीटिंग में मिल लेते । अब कहते हैं कि मनमोहन सिंह की इफ्तार पार्टी में भी तो सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश गये थे । शायद यह भी ठीक नहीं कहा जा सकता । अपना नाम घोषित नहीं करने की शर्त पर अनेक रिटायर्ड जजों का कहना है कि चाहे शिष्टाचारवश ही क्यों न हो जुडिशरी और प्रशासन के मुख्य प्रमुख गैर सार्वजनिक अवसरों पर न मिलें । सुप्रीम कोर्ट में बहुत से मुकदमे केन्द्रीय सरकार के विरुद्ध भी होते हैं । असल में आज के प्रधानमंत्री और आज के मुख्य न्यायधीश इतने सच्चे और कर्तव्य परायण हैं कि उन पर शक करना बहुत गलत है और शिष्टाचार के भी विरुद्ध है । फिर भी न्याय कहता है कि न्याय होतेभी दिखलाई पडना चाहिए । यदि यह सिद्धांत मान्य हो तो फिर दोनों का मिलना नहीं होना चाहिए ।

यूपी में कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे की खींचतान क्या होगा भविष्य?

अजय कुमार

यूपी में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच उपचुनावों को लेकर चल रही वार्ता में खटास बढ़ती जा रही है। आने वाले उपचुनावों में 10 सीटों पर चुनाव होना है, और दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे पर असहमति नजर आ रही है। कांग्रेस, जो इस बार 5 सीटें मांग रही है, सपा के साथ एक ठोस गठबंधन बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। वहीं, सपा सिर्फ1 से 2 सीटें देने पर ही सहमत है।

कांग्रेस की मांग की गई सीटों में मिर्जापुर की मझवा, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद, खैर और मीरापुर शामिल हैं। हालांकि, सपा इस मांग को लेकर साफ स्थिति में नहीं है, जिससे दोनों दलों के बीच बातचीत और अधिक जटिल हो गई है। इस स्थिति को भांपते हुए, कांग्रेस ने सभी 10 सीटों पर प्रभारी और पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए हैं, जो संबंधित सीटों पर सम्मेलन कर रहे हैं। इन सम्मेलनों के माध्यम से कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय करने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस का यह दृष्टिकोण 50-50 फॉर्मूले पर आधारित है। पार्टी का मानना है कि जिन 10 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें से 5 सीटें पिछली बार भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने जीती थीं और उन पर सपा का प्रभाव कम है। इसलिए, कांग्रेस का तर्क है कि उन्हें एनडीए वाली सीटें मिलनी चाहिए, जबकि सपा को अपनी पुरानी 5 सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यह एक तरह का प्रयोग है, जिससे कांग्रेस आगामी 2027 विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीति को मजबूत करना चाहती है। अगर कांग्रेस इस बार 5 सीटें हासिल करने में सफल रहती है, तो इसका असर भविष्य के चुनावों में भी देखने को मिल सकता है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने हाल ही में कहा था कि पार्टी केवल उन सीटों पर बात करना चाहती है जहां पिछले चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगियों को जीत मिली थी। उनके अनुसार, जिन सीटों पर सपा ने सफलता पाई थी, वहां कांग्रेस के कार्यकर्ता सपा का साथ देंगे, जबकि भाजपा के मजबूत क्षेत्रों में वे खुद मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। यह स्थिति सपा के लिए असहज हो रही है, क्योंकि यदि वे कांग्रेस को अधिक सीटें देती हैं, तो इसका मतलब होगा कि वे अपने जनाधार को कम कर रहे हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसे 'दो लड़कों' की जोड़ी के रूप में प्रस्तुत किया गया था। उस चुनाव में सपा ने 298 सीटों पर और कांग्रेस ने 105 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। उसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में भी इन दोनों दलों ने साथ में चुनाव लड़ा, जिसमें सपा ने 63 और कांग्रेस ने 17 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। इस चुनाव में सपा ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीतकर भाजपा को कड़ी चुनौती दी थी।

हालांकि, अब सपा एक बार फिर से वैसी ही स्थिति में जाने से बचना चाहती है, जहां उन्हें कांग्रेस को अधिक सीटें देने की मजबूरी झेलनी पड़े। इसके बजाय, सपा अधिकतम 1-2 सीटें देने का पक्षधर है, ताकि उनकी खुद की स्थिति मजबूत बनी रहे। कांग्रेस इस बार समर्पण के साथ अपने लिए अधिक सीटें मांग रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वह भविष्य की चुनावी राजनीति में अपनी स्थिति को मज़बूत करने के लिए गंभीर है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर कांग्रेस इस बार अपने लिए 5 सीटें हासिल कर लेती है, तो यह आने वाले विधानसभा चुनावों में उनकी स्थिति को मजबूत कर सकता है। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और वे 2027 के चुनावों में 403 सीटों वाली विधानसभा में कम से कम 200 सीटों पर दावेदारी ठोकने की स्थिति में आ जाएंगे।

इस विवादित स्थिति में, जहां दोनों दलों के बीच तालमेल की कमी है, यह देखना होगा कि आखिरकार यह खींचतान किस दिशा में जाएगी। क्या सपा अपने जनाधार को बचाने में सफल होगी या कांग्रेस अपनी मांगों को मनवाने में कामयाब होगी, यह भविष्य में तय होगा। यूपी की राजनीति में यह एक महत्वपूर्ण मोड़ हो सकता है, जो आगे चलकर दोनों दलों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

टेंशन लेने का नहीं-देने का

रजनीश कपूर

मुन्ना भाई एमबीबीएस' का एक डायलॉग काफ़ी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे टेंशन लेने का नहीं-देने का'। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना मात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली।ज् हर युवा व वरिष्ठ कर्मचारी को मुन्ना भाई एमबीबीएस' फ़िल्म से सीख लेते हुए टेंशन न लेने' की आदत डाल लेनी चाहिए।

संजय दत्त की बहुचर्चित फ़िल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस' का एक डायलॉग काफ़ी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे टेंशन लेने का नहीं-देने का'। परंतु शायद उस फ़िल्म में दिये गये संदेश को कुछ लोग गंभीरता से नहीं ले सके। इसीलिए वे मामूली से तनाव को इतना बढ़ा लेते हैं कि वह कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो जाता है। इस फ़िल्म ने कठिन परिस्थितियों को गंभीरता से न लेने की सलाह दी। परंतु आजकल के वर्क प्रेशर' व प्रतिस्पर्धा के चलते हर दूसरा व्यक्ति तनाव में दिखाई देता है। इस तनाव का असर न सिर्फ़ उसकी सेहत पर पढ़ता है बल्कि उसके पारिवारिक जीवन में भी तनाव पैदा हो जाता है। पिछले दिनों सोशल मीडिया पर पुणे की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना सेबेस्टियन की माँ की चिट्ठी काफ़ी चर्चा में रही। भारत में इस कंपनी के अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में ऐना की माँ ने इस बात का उल्लेख किया कि किस तरह उनकी पुत्री पर कंपनी ने काम का दबाव बनाया हुआ था। मात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली। इस दबाव का एक स्पष्ट उदाहरण तब भी दिखा जब ऐना के अंतिम संस्कार में कंपनी में काम करने वाले सहकर्मी भी नहीं पहुँचे। जैसे ही ऐना की माँ का यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही इस बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम कर चुके पूर्व कर्मचारियों ने अपने भयानक अनुभव भी साझा किए। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा वैसे ही कंपनी की ओर से वर्क प्रेशर' का खंडन किया गया। इसके साथ ही सरकार ने भी इस मामले में जाँच बैठा दी है।

ऐना की मृत्यु ने आज के कॉर्पोरेट जगत में कई सवाल खड़े कर दिये हैं। इस दुखद घटना के बाद कई तरह की प्रतिक्रियाएँ भी आ रही हैं। दरअसल वर्क प्रेशर' के बढ़ते हुए तनाव के कारण दुनिया भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां प्रतिस्पर्धा की दौड़ में आगे रहने के चलते कई लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। चीन में एक व्यक्ति ने लगातार 104 दिनों तक बिना किसी छुट्टी के काम किया और अंततः शरीर के कई अंगों की विफलता के कारण उसकी मौत हुई। वहाँ की अदालत ने उस व्यक्ति की कंपनी को उसकी मौत का 20 प्रतिशत तक ज़िम्मेदार ठहराया। वहीं अमरीका के एक बैंक कर्मचारी की मृत्यु का कारण भी उसके काम का दबाव ही बना। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जहां कर्मचारियों से अधिक काम करवाने के चलते ऐसे हादसे हो रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आँकड़ों के अनुसार दुनिया भर में काम के दबाव व तनाव के चलते प्रतिवर्ष क़रीब 7.50 लाख लोगों की मृत्यु होती है। ऐसा इसलिए होता है कि अधिक काम करने का सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। काम का तनाव लेने से मनुष्य में हृदय रोग, डायबिटीज़ व स्ट्रोक जैसी घातक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं आज के सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में जब हम घंटों कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करते हैं तो हमारे जोड़ो में जकडन, कमर में दर्द, सरदर्द, आँखों में थकान, जैसे प्रारंभिक लक्षण भी दिखाई देते हैं। तनाव के चलते हमारे शरीर में ऐसे रसायन पैदा हो जाते हैं जो रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को भी बढ़ा देते हैं। इसलिए हम चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

तनाव के चलते जब गाड़ी चलाकर हम अपने दफ़्तर से घर या घर से दफ़्तर जा रहे होते हैं तो ऐसे में दुर्घटना होने की संभावना भी बढ़ जाती है। मोबाइल फ़ोन और ईमेल के चलते हम हर समय अपने काम से जुड़े रहते हैं इसलिए हमें काम से आराम नहीं मिल पाता। ऐसे तनाव का सीधा अनुभव आपको उस समय होता होगा जब आपके मोबाइल पर आपके बॉस का फ़ोन बजता होगा। आप यदि अपने घर पर हों और परिवार के साथ समय बिता रहे हों, तभी आपके बॉस का फ़ोन बजे तो आपके चेहरे पर एक अजीब से तनाव की झलक मिल जाती है। ऐसे में पारिवारिक सुख को भी झटका लगता है।

जानकारों के अनुसार, सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करने वालों में तनाव बढने की संभावना अधिक होती है। यह तनाव अन्य बीमारियों को बढ़ावा देता है। परंतु इसका मतलब यह नहीं है कि आपको कामयाब होने के लिए कम मेहनत करनी चाहिए। बिना मेहनत के किसी को कामयाबी नहीं मिलती। इसलिए हमें परिश्रम और अतिश्रम के बीच एक को चुनना चाहिए। परिश्रम किया जाए तो एक सीमा के तहत ही किया जाए। आपको अपने शरीर की क्षमता अनुसार ही काम करना चाहिए। समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जाँच भी करवाते रहना चाहिए। इसके साथ ही नियमित रूप से तनाव-मुक्ति के कई साधन, जैसे योगा, ध्यान, भजन, मनोरंजन आदि का भी सहारा लेना चाहिए।

वहीं अगर इम्प्लॉयर की बात करें तो उन्हें भी अपने लक्ष्य की पूर्ति के चलते कर्मचारियों पर दबाव बनाना पड़ता है। परंतु यह दबाव भी एक सीमा तक ही दिया जाए। आज हमारे समाज को काम और आराम के बीच एक संतुलन बनाने की ज़रूरत है। वरना ऐना सेबेस्टियन जैसे कई और होनहार कर्मचारियों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। आजकल के युवा भी जल्द कामयाबी पाने के चक्कर में काम और आराम में संतुलन नहीं बना रहे हैं। इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसलिए हर युवा व वरिष्ठ कर्मचारी को मुन्ना भाई एमबीबीएस' फ़िल्म से सीख लेते हुए टेंशन न लेने' की आदत डाल लेनी चाहिए।

क्या एप्पल साइडर विनेगर सेहत को पहुंचाता है नुकसान?

एप्पल साइडर विनेगर का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। परफेक्ट फिगर से लेकर चमकदार स्किन पाने के लिए लोग इसका सेवन कर रहे हैं। एप्पल साइडर विनेगर को कुछ लोग वजन कम करने के लिए सुबह-सवेरे खाली पेट भी पी रहे हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं रोजाना एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करना आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। एप्पल साइडर विनेगर का लंबे समय तक सेवन करने से आपकी हेल्थ को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा सकता है। क्योंकि एप्पल साइडर विनेगर में बहुत ही स्ट्रांग एसिड होता है, जिसका लिमिट से ज्यादा सेवन नुकसानदायक हो सकता है। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का फायदा लेना है तो उसका सेवन पर्याप्त मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है। एप्पल साइडर विनेगर के नुकसान क्या-क्या हैं?

दांतों की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर बहुत ही ज्यादा एसिडिक होता है, यह ऐसे तो नुकसादायक नहीं लगता है। लेकिन इसका हद से ज्यादा सेवन करना आपके दांत खराब कर सकता है। दांतों पर एक लेयर होती है, जो लिमिट से ज्यादा एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से हट सकती है। लेयर हटने से दांतों में सेंसटिविटी और सड़न जैसी समस्या हो सकती है। अगर आपको अपने दांतों से प्यार है तो एप्पल साइडर विनेगर को पानी में मिलाकर और स्ट्रा से पी सकते हैं।

दवाइयों पर असर

अगर आपकी किसी तरह की दवा चल रही है, तो एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करते समय ज्यादा सावधानी की जरूरत है। क्योंकि इसमें मौजूद एसिड, दवाइयों के असर पर प्रभाव डाल सकता है। जिससे अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप किसी तरह की दवा ले रही हैं और एप्पल साइडर विनेगर को भी अपने रूटीन में शामिल करने के बारे में सोच रही हैं तो पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य ले लेनी चाहिए।

पेट की समस्या

एप्पल साइडर विनेगर को डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसका लिमिट से ज्यादा सेवनपेट की समस्या हो सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में एसिड का सेवन करने से आपके पेट में जलन हो सकती है। खासकर, अगर आपका गट सेंसिटिव, खट्टे डकार या एसिडिटी की समस्या रहती है तो एप्पल साइडर विनेगर को एक लिमिट में ही लेना चाहिए।

स्किन इरिटेशन

एप्पल साइडर विनेगर का स्किन केयर ट्रीटमेंट्स में भी इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन, इसे स्किन पर डायरेक्ट लगाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे जलन और इरिटेशन की समस्या हो सकती है। स्किन के लिए एसिड बहुत हार्ड हो सकता है, ऐसे में इसे डायलियूट करके ही लगाएं। अगर आप एप्पल साइडर विनेगर का टोनर या एक्ने पर इस्तेमाल कर रही हैं, तो पहले थोड़े एरिया पर लगाकर चेक करें।

हड्डियों पर असर

क्या आप जानती हैं एप्पल साइडर विनेगर का बहुत ज्यादा सेवन करने से आपकी हड्डियों पर असर पड़ सकता है? एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट से ज्यादा सेवन, शरीर में पोटेशियम की मात्रा को कम करने से लिंक हो सकता है जिसकी वजह से बोन डेनसिटी भी समय के साथ कम हो सकती है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर का लिमिट में ही सेवन करना चाहिए।

एप्पल साइडर विनेगर के फायदे अनेक हैं, लेकिन किसी भी चीज का अति में सेवन करना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में एप्पल साइडर विनेगर को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले उसके फायदे और नुकसान, दोनों के बारे में जान लेना चाहिए। अगर आपको एप्पल साइडर विनेगर का सेवन करने से किसी तरह का रिएक्शन होता है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है। अगर आपको भी वैरिकोज वेंस की समस्या है, तो अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके आप इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

वैरिकोज वेंस बन सकती है कई गंभीर बीमारियों की वजह

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। वैरिकोज वेंस ज्यादातर लोगों के लिए खतरनाक नहीं होती हैं लेकिन कई बार ये गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं। वैरिकोज वेंस हाथ, पैर, एड़ी, टखने और पंजों में ज्यादा दिखाई देती हैं। इस स्थिति में नीली नसें या नसों के गुच्छे साफ नजर आने लगते हैं। अधिकतर मामलों में लोगों को वैरिकोज वेंस की समस्या में दर्द नहीं होता है लेकिन कई लोगों के लिए यह दर्द, खड़े होने में परेशानी और जलन जैसी परेशानी की वजह हो सकती है।

कई बार इन नसों में ब्लीडिंग भी हो जाती है। वैरिकोज वेंस के कारण क्या हैं और किन आसान तरीकों की मदद से इन्हें मैनेज किया जा सकता है।

इस बारे में हमने डाइटीशियन, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट से बात की और उनसे इसे मैनेज करने के कुछ टिप्स जानें। आइए आपको बताते हैं।

वैरिकोज वेंस के कारण

- लंबे वक्त तक खड़े रहना
- वजन अधिक होना
- प्रेग्नेंसी
- नसों पर अधिक दबाव
- हार्मोनल इंबैलेंस
- बढ़ती उम्र

इस बात का ख्याल

पुराने वक्त में घरों में खाना बनाने के लिए चूल्हे का प्रयोग होता था। महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी लेकिन आज के वक्त में खड़े रहकर ही खाना बनाया जाता है। ये भी वैरिकोज वेंस की एक बड़ी वजह है। जब महिलाएं बैठकर खाना बनाती थी तो वे लंबे वक्त तक खड़ी नहीं रहती थी जिससे वैरिकोज वेंस की समस्या कम देखने को मिलती थी। इससे पेल्विक मसल्स को भी फायदा होता था।

इन टिप्स को करें फॉलो

- अगर आपको वैरिकोज वेंस की समस्या है तो कुछ आसान टिप्स को फॉलो करके आप इसे मैनेज कर सकती हैं।
- लंबे समय तक खड़ी ना रहें। कुछ देर खड़ी रहने के बाद बैठ जाएं।
- पैरों पर अधिक प्रेशर न डालें।
- अगर आपका वजन अधिक है तो इसे कम करने की कोशिश करें।
- ज्यादा पानी पिएं।
- अपनी डाइट में ताजे फल और सब्जियों को शामिल करें।
- डॉक्टर से सलाह लेकर कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स पहनें। इससे वैरिकोज वेंस को बढ़ने से रोका जा सकता है।
- अगर समस्या ज्यादा है तो डॉक्टर से ट्रीटमेंट जरूर करवाएं।

वैरिकोज वेंस होने पर न करें ये 5 काम, बढ़ सकती है मुश्किल

वैरिकोज वेंस या स्पाइडर वेंस नसों से जुड़ी समस्या है। यह कई कारणों से हो सकती हैं। अगर आपको यह समस्या है, तो कुछ कामों को करने से बचें वरना आपकी मुश्किल बढ़ सकती है।

वेरिकोज वेंस के बारे में काफी लोग नहीं जानते हैं। लेकिन, यह नसों से जुड़ी एक समस्या है। आपने कुछ लोगों के हाथ, पैर, एड़ी, पंजे या टखनों में नीली नसे या नसों के गुच्छे देखे होंगे। ये वेरिकोज वेंस होती हैं। इन्हें स्पाइडर वेंस भी कहा जाता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं और यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में देखने को मिलती है। आमतौर पर इनसे कोई खतरा नहीं होता है। लेकिन, कई बार ये मुश्किल खड़ी कर सकती हैं। इनकी वजह से कई बार, टांगों में खून की सप्लाई पर असर होता है। कई लोगों को इनकी वजह से खड़े होने में परेशानी हो सकती है। वहीं, कई बार इनमें दर्द और जलन भी होती है। अगर आपको यह समस्या है, तो आपको कुछ कामों को पूरी तरह अवॉइड करना चाहिए।

वेरिकोज वेंस होने पर बिल्कुल न करें ये काम

- अगर आपको वेरिकोज वेंस की समस्या है, तो ज्यादा देर बिल्कुल खड़े न रहें। इससे आपकी दिक्कत बढ़ सकती है। ज्यादा देर खड़े रहने के कारण, नसों में खून जमने लगता है इससे नसों पर अधिक प्रेशर पड़ता है।
- वेरिकोज वेंज होने पर, आप भारी वजन न उठाएं। दरअसल, भारी वजन उठाने से नसों पर दबाव पड़ता है और इससे नसों में खिंचाव पैदा होता है। इसकी वजह से नसे कमजोर होने लगती हैं। ऐसा नहीं हैं कि आप बिल्कुल वजन नहीं उठा सकती हैं। लेकिन, अधिक भारी चीजों को उठाने से बचें।
- हाई हील्स वाले सैंडिल न पहनें। इससे ब्लड फ्लो बाधित होता है और नसों पर दबाव पड़ता है।
- वेरिकोज वेंस होने पर, आपको मुलायम और आरामदायक चप्पले पहननी चाहिए।
- अगर आपको वेरिकोज वेंस हैं, तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आपको कब्ज न हो। अगर आपका पेट ठीक से साफ नहीं हो रहा है, आपको कब्ज है, तो इसकी वजह से पेट साफ होने पर नसों पर दवाब आता है और परेशानी बढ़ सकती है।
- अधिक कठोर या खुरदुरी जगह पर न चलें। इससे भी नसों पर प्रेशर आता है।

ट्रेवल के दौरान खराब नहीं होगा डाइजेशन अपनाएं ये टिप्स

क्या ट्रेवलिंग के दौरान आपका भी पेट गड़बड़ हो जाता है,गैसे और कब्ज से परेशान हो जाते हैं तो आप इन टिप्स को फॉलो करके इसमें आराम पा सकते हैं।

ट्रेवल करना मजेदार और रोमांच से भरा होता है, लेकिन अक्सर ट्रैवलिंग के दौरा पेट साथ नहीं देता है, अक्सर लोगों को एसिडिटी, कब्ज, जैसी दिक्कत हो जाती है जिसके कारण सफर का मजा किरकिरा हो जाता है, फ्रेशनेस महसूस नहीं होती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो हम आपको एक्सपर्ट के बताए कुछ टिप्स बता रहे हैं जिसे फॉलो करने से ट्रेवलिंग के दौर आपको दिक्कत नहीं होगी

- ट्रैवल के दौरान डाइजेशन को सही रखना है तो खाली पेट कैफ़ीन का सेवन करने से बचें, इससे एसिडिटी बढ़ाने की संभावना रहती है।
- रात को सोते वक्त नाभि में तेल जरूर लगाएं, इससे मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है। पाचन बेहतर होता है और गैस की समस्याएं कम होती है। यह एक बेहद सरल और प्रभावी उपाय है।
- सूर्य नमस्कार करना ना भूलें, इससे न सिर्फ फिटनेस को बढ़ावा मिलता है बल्कि आपके पाचन तंत्र को भी सक्रिय करने में मदद मिलती है। यह पेट के अंगों में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है और पाचन क्रिया को मजबूत करता है।
- रोज सुबह एक चम्मच शहद का सेवन करें, यह नेचुरल लैक्सेटिव गुणों वाला होता है जो कब्ज और गैस की समस्याओं में मदद करता है।
- ट्रेवल के दौरान ठंडा खाना खाने से बचें, ठंडा खाद्य पदार्थ पाचन को धीमा कर सकते हैं, कोशिश करें कि आपके भोजन का तापमान सामान्य गर्म हो ताकी पाचन प्रक्रिया सुचारू बनी रहे।
- फलों और दूध को एक साथ ना खाएं, इससे ब्लोटिंग और असुविधा हो सकती है। फल जल्दी पचते हैं जबकि दूध में अधिक समय लगता है।
- सोने से पहले वज्रासन में जरूर बैठें, इससे पेट पर दबाव पड़ता है जो पाचन अंगों को सक्रिय करता है और भोजन को सही से पचने में मदद करता है।
- रात को सोने से पहले कैफीन का सेवन न करें, इससे आपकी नींद खराब हो सकती है और पाचन में बाधा आ सकता है।
- रात का खाना जल्दी खाने से आपके शरीर को भोजन पचाने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। इसे पोषक तत्वों का बेहतर अवशोषण होता है और असुविधा की संभावना कम होती है।

प्रेसबायोपिया - उम्र बढ़ने के साथ क्यों कमजोर होने लगती है पास की नजर

प्रेसबायोपिया यानी पास की नजर का कमजोर होना है। यह बीमारी उम्र के साथ होने वाले सामान्य बदलाव के कारण होती है जोकि 40 की उम्र के बाद देखने को मिलती है। हालांकि मोबाइल फोन और इसी तरह के अन्य गैजेट्स के इस्तेमाल करने से कई बार यह बीमारी उम्र से पहले ही नजर आने लगती है। इसमें नजर को पास में केंद्रित कर पाने में परेशानी होती है। खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरू में तो व्यक्ति मोबाइल या किताब को दूर कर पढ़ लेता है लेकिन बाद में दिखाई नहीं देता है।

कारण - इसका मुख्य कारण उम्र का अधिक होना है। यह बीमारी 40वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में आम है, लेकिन मोबाइल, कम्प्यूटर और टेबलेट्स के अत्यधिक इस्तेमाल से लोगों को जल्द ही चश्मा लग जाता है। एस्टीमैटिज्म (दृष्टिवैषम्य), नियरसाइटेडनेस (निकटदृष्टि दोष) और फारसाइटेडनेस (दूरदृष्टि दोष) के रूप में प्रेसबायोपिया में अंतर पाया जा सकता है, जो कि आंखों की पुतलियों के आकार से संबंधित है और आनुवांशिक व पर्यावरणीय कारणों से होते हैं।

लक्षण-इलाज - प्रेसबायोपिया के मरीजों को नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस होने लगता है। अगर बीमारी की पहचान शुरुआती चरण में हो जाती है तो दिनचर्या में कुछ बदलाव कर इसको नियंत्रित किया जाता है, लेकिन बीमारी बढ़ने पर सर्जरी की जाती है। इसके लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज आदि सर्जरी की जाती है।

चश्मा - बायफोकल या प्रोग्रेसिव लैंस लगे चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे अच्छे होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं। चश्मे के लैंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है जबकि लैंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष के लिए होता है। प्रोग्रेसिव प्रकार के लैंस बायफोकल लैंस के समान होते हैं लेकिन उनके बीच कोई लकीर नजर नहीं आती। इसको पहन सकते हैं।

जांचें - इसकी जांच भी आंखों की दूसरी बीमारियों की तरह ही होती है। डॉक्टर, पहले आंखों में दवा डालकर पुतलियों को फैलाते हैं। इसके बाद तेज रोशनी में आंखों की जांच करते हैं। इस प्रक्रिया में करीब एक घंटे का समय लगता है। इसके अलावा भी डॉक्टर कुछ अन्य टैस्ट भी करवाते हैं।

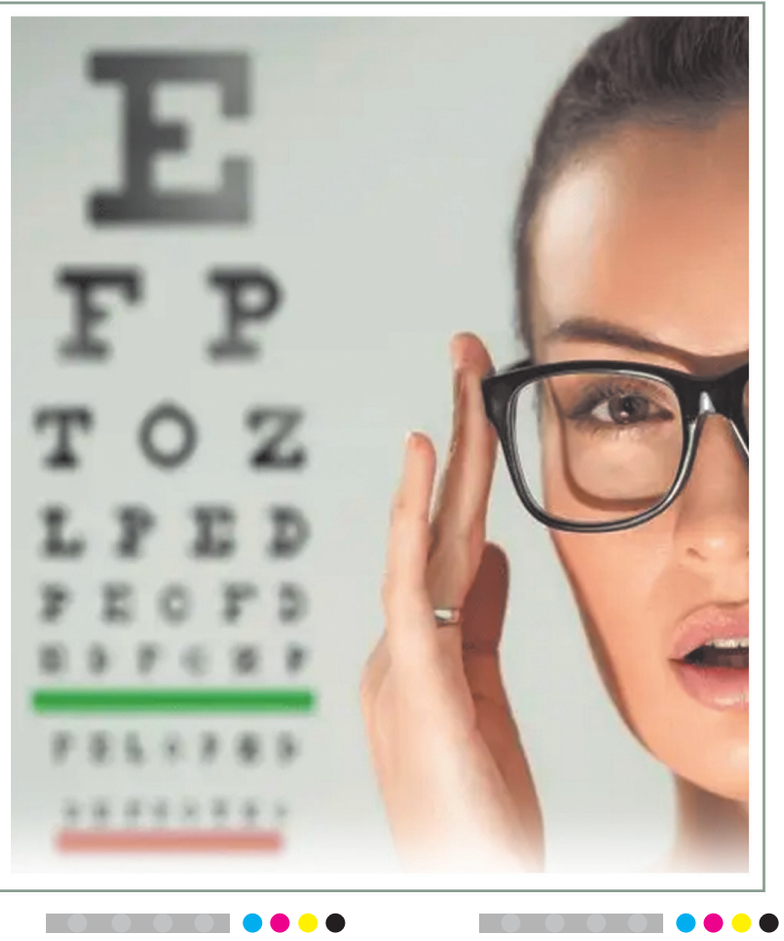

संक्षिप्त समाचार

मगधा यादव समाज छत्तीसगढ़ सरायपाली की आवश्यक बैठक पंचायत धर्मशाला बलौदा में रखी गई

सरायपाली (समय दर्शन)। मगधा यादव समाज छत्तीसगढ़ विकासखंड सरायपाली की अति आवश्यक बैठक पंचायत धर्मशाला बलौदा में रखी गई। सर्वप्रथम मां समलेश्वरी एवं आराध्य देव कृष्ण की छायाचित्र की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात नुआखाई मिलन एवं सम्मान समारोह का आय-व्यय प्रस्तुत किया गया। सम्मान समारोह के गतिविधि का प्रस्तुतीकरण एवं समीक्षा की गई। जिसमें विचार व्यक्त करते हुए आने वाले समय में और बेहतर तरीकों से त्योहार मनाने पर सहमति दी गई। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष हीराधर बगर्ती, देवलभांटा अध्यक्ष कृष्टो टाणी,पोड़ागढ़ अध्यक्ष फक्कीर कठार,प्रांतीय महामंत्री पवन यादव, प्रांतीय सचिव दुर्वादल दीप, जिला महासमुंद सचिव ओम प्रकाश छत्रपति,ब्लॉक उपाध्यक्ष मदन दीप, प्रचार-प्रसार मंत्री नीलांबर भोई, वरिष्ठ सदस्य सुकलाल थपा, कर्मठ समाजसेवी विजय यादव, सचिव सुरेंद्र भोई, संगठन मंत्री रामकृष्ण गजपोड़, निरंजन कठार, विकास जाल, कौशिक यादव, अनिरुद्ध सालमा, मनोज यादव, रामकुमार यादव,किशन यादव, मनबोध यादव ,जय कृष्ण यादव, कुमार यादव ,अनुराधन यादव, दुखनाशन यादव, गजेंद्र कठार, गिरधारी बाघ, प्रताप जाल विकासखंड सरायपाली, परिक्षेत्र देवलभांटा, परिक्षेत्र पोड़ागढ़, परिक्षेत्र छुईपाली एवं आयोजन ग्राम बलौदा के समस्त यादव बंधु उपस्थित थे।

पशु मेला उत्सव एवं प्रदर्शनी ग्राम पंचायत भोथा

बागबाहरा (समय दर्शन)। बागबाहरा विकासखंड के ग्राम भोथा में पशुधन विकास विभाग की ओर से बागबाहरा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम भोथा में 5 अक्टूबर को एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय पशु मेला प्रशासनी का आयोजन किया गया उप संचालक पशुधन विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पशु मेला का आयोजन ग्राम पंचायत भोथा में सुबह 8 बजें से 2 बजें तक आयोजित किया गया। इस प्रदर्शनी में उन्नत गाय,संकर बछिया, उन्नत बछड़ा, बैल, भैंस भैंसा , बकरा बकरी,सूकर एवं कुकड़ा मुर्गी, जापानी बटेर,बतख आदि रखा गया प्रत्येक वर्ग में प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के अलावा तीन तीन सांत्वना पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी दिया गया जिसमें जनपद अध्यक्ष स्मिता हितेश चंद्राकर ने सभा को संबोधित करते हुए पशु पालकों को अधिक से अधिक संख्या में उन्नत नस्ल के पशुपालन करने प्रोत्साहित किया गया और बागबाहरा जंगली क्षेत्र में विशाल रूप से सक्षम बनने का सुझाव दिया।

साथ ही शासन से बैल , भैंसा,बकरी, मुर्गी , आदि से मिलने वाले लाभ से लोगों को अवगत कराया गया इस अवसर पर पशुओं को टीकाकरण किया गया साथ ही पशुपालकों को पशुओं में किसी भी प्रकार का बीमारी या अन्य प्रकार का लक्षण दिखने पर तुरंत पशु चिकित्सालय पर संपर्क करने की सलाह दी गई।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हुए डॉ राम गोपाल पशु चिकित्सालय अधिकारी महासमुंद, और बागबाहरा जनपद अध्यक्ष स्मिता हितेश चंद्राकर के साथ बागबाहरा पशु विभाग के सभी डॉ. एवं जनपद सदस्य सभापति रामबाई ठाकुर, पूर्व सरपंच तुलाराम ठाकुर ,जनपद सदस्य माधोराम मांझी , सरपंच गायत्री पांडे, डॉ आधार धृनलहरे, डॉ लिलेश्वर , भोजराम श्वढ्ढ2 एवं पंच और ग्रामवासी शामिल हुए।

एसएमएस ने सुरजीत को बनाया कार्यवाहक अध्यक्ष

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कुसमुंडा क्षेत्र मैं ट्रेड यूनियन एचएमएस के द्वारा कई प्रकार के परिवर्तन संगठन स्तर पर किए गए हैं। सुरजीत सिंह हैप्पी को कुसमुंडा एरिया का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके मनोनयन के बारे में एसईसीएल प्रबंधन के मुख्य महाप्रबंधक सहित अन्य संबंधित को जानकारी भेज दी गई है।

क्षेत्रीय महामंत्री अरुण झा ने बताया कि इससे पहले क्षेत्र में जो जिम्मेदारी बृजलाल पनिका के पास थी उन्हें अनुशासनात्मक कारणों से हटा दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन ने टटोली स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल की नब्ज, कहा, सरकार 100 प्रतिशत फिट!

चंदादेवी तिवारी हॉस्पिटल, बलौदा बाज़ार के नवीन परिसर उद्घाटन समारोह में पहुँचे थे

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने टटोली स्वास्थ्य मंत्री की नब्ज,कहा सरकार पूर्णतः स्वस्थ

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय में आज चंदा देवी तिवारी हॉस्पिटल की नई यूनिट का शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता जिले के प्रभारी एवं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की विशिष्ट अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल विशेष अतिथि बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल कसडोल विधायक संदीप साहू पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा पूर्व कृषक कल्याण आयोग अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी भाजपा जिला अध्यक्ष सनम जांगड़े नगरपालिका अध्यक्ष चितावर जायसवाल उपस्थित रहे।

अतिथियों द्वारा अस्पताल के नए परिसर का उद्घाटन फीता काटकर दीप प्रज्वलन करकिया गया उसके पश्चात संपूर्ण अस्पताल परिसर का दौरा अतिथियों द्वारा किया गया।

अस्पताल के संचालक डॉ प्रमोद तिवारी डॉ नितिन तिवारी डॉ गितिकाशंकर तिवारी एवं पूरे अस्पताल परिवार को बधाई तथा शुभकामनाएं देते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि बलौदाबाजार के विकास में पं. बंशराज तिवारी परिवार का बहुत बड़ा योगदान है पंडित जी द्वारा विधायक रहते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान को भुलाया नही जा सकता अपनी पत्नी स्व. चंदा देवी तिवारी के निधन के पश्चात उनकी स्मृति में उनके नाम पर चंदा देवी तिवारी हॉस्पिटल की नींव सन2000 में रखी गई जिसका संचालन उनके पुत्र डॉ प्रमोद तिवारी द्वारा किया गया जिसे आगे बढ़ाते हुए उनके पुत्र डॉ नितिन तिवारी पुत्रवधु डॉ गितिकाशंकर तिवारी पुत्री डॉ सुकृति तिवारी एवं पूरी अस्पताल की यूनिट द्वारा उच्च गुडवत्ता युक्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराते हुए आज बलौदाबाजार में राष्ट्रीयस्तर की सेवाएं देने के लिए बाध्य होते हुए बलौदाबाजार में 180 बिस्तरीय अस्पताल सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं जो क्षेत्र के लिए किसी वरदान से कम नही है मैं पूरे तिवारी परिवार समेत अस्पताल यूनिट को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ जैसे ही मुझे गणेश मिश्रा ने इस कार्यक्रम में आने का न्यौता दिया मैं सहर्ष तैयार हो गया।कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सकों कर्मचारियों के साथ तिवारी परिवार के सदस्यों सहयोगियों मित्रों शुभचिंतकों का पूरा सहयोग रहा। अस्पताल के संचालक डॉ नितिन तिवारी ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अस्पताल के शुभारम्भ कार्य में आये सभी आगंतुकों की हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ और विश्वास दिलाता हूं की चंदा देवी तिवारी हॉस्पिटल परिवार बलौदाबाजार में ही हरसंभव इलाज उपलब्ध कराने का प्रयास निरंतर करता रहेगा।

महाविद्यालय के छात्र, छात्राओं ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

सरायपाली (समय दर्शन)। आदर्शवादी सेवा समिति बरडीह द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त भारत निर्माण अभियान अंतर्गत डाक्टर भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय बलौदा में विगत सरायपाली में दिनांक 26/ 9 /2024 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन एवं नशामुक्ति से संबंधित सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया था ।

जिसमें शासकीय महाविद्यालय बलौदा से 277 नियमित छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया ।

जिसमें शासकीय महाविद्यालय बलौदा में प्रथम स्थान पर कुमारी यज्ञसेनी पटेल बीएससी अंतिम वर्ष, कुमारी किरण सोना बीएससी अंतिम वर्ष द्वितीय स्थान ,एवं कुमारी प्राची भोई बीएससी अंतिम वर्ष ने तृतीय स्थान ,भाषण प्रतियोगिता प्रथम सुभाष बीसी, योगिता प्रधान द्वितीय, जूली साव तृतीय स्थान,रंगोली प्रतियोगिता में शिवानी मटारी प्रथम,प्राची भोई द्वितीय,निहारिका साहू तृतीय स्थान,पोस्टर प्रतियोगिता में नीतू डडसेना प्रथम,सुभाष बीसी द्वितीय,सूर्यकांत पाणिग्रही तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

आज दिनांक 7.10.2024 दिन सोमवार को आदर्शवादी सेवा समिति बरडीह एवं डाक्टर भीमराव अम्बेडकर शासकीय महाविद्यालय बलौदा के संयुक्त तत्वावधान तथा युवा समाज सेवी रुपेश कुमार के विषेश सहयोग से नशामुक्ति संकल्प एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि अतिथि युवा समाज सेवी रुपेश कुमार सरायपाली, अध्यक्षता श्रीमति अनिता पटेल डॉ भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय बलौदा विशिष्ठ अतिथि श्रीमती सारिका रुपेश कुमार, तिलक राम पटेल उपाध्यक्ष आदर्शवादी सेवा समिति डिग्रीलाल प्रधान, प्रफुल्ल सराफ गुलाब कुमार,मंचासीन रहे ।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी , पुरोधा पुरूष स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना के साथ किया गया । कार्यक्रम आईक्यूएसी जितेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में रोजगार मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी गजानंद नायक के दिशा निर्देश में संपन्न हुआ।इस अवसर पर प्राध्यापक गण किरण कुमारी, अंजेला लकड़ा,रश्मि निबार्गिया,रितुराज भोई व माधुरी प्रधान,चितरंजन स्वाइ तथा भारत माता वाहिनी समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।आभार प्रदर्शन कमला दीवान द्वारा किया गया।

संभागायुक्त कांवरे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का लिया जायजा

ग्राम टेमरी में सरकारी योजनाओं के कार्यों का किया निरीक्षण

गेंद दास मानिकपुरी(सिटी रिपोर्टर)/ महासमुंद(समय दर्शन)। रायपुर संभागायुक्त महादेव कांवरे रविवार को बागबाहरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागबाहरा में स्वास्थ्य व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होनें भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल पूछा और उनके ईलाज की सुविधा, भोजन एवं नाश्ता आदि के संबंध में जानकारी ली।

कावरे ने उपस्थित चिकित्सकों से कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाए। जरूरी दवाइयां पर्याप्त मात्रा में हो, इसका शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को पौष्टिक भोजन एवं शुद्ध पेयजल मिले यह सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस आलोक, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पी कुदेशिया, एसडीएम बागबाहरा उमेश साहू सहित अन्य विकासखंड स्तरीय अधिकारी साथ थे। संभागायुक्त ने इस दौरान ग्राम पंचायत टेमरी का भी दौरा किया और सरकारी योजनाओं के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय, अमृत सरोवर तालाब, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), और आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामवासियों से इन योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके लाभ के बारे में जानकारी ली। आंगनबाड़ी केंद्र पर कावरे ने कार्यकर्ता और सहायिकाओं से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के भोजन की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, वितरण प्रक्रिया और पोषण संबंधी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने कहा। साथ ही उन्होंने सामुदायिक शौचालय की सफाई और रखरखाव की भी जांच की। अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत निर्मित तालाब का निरीक्षण करते हुए उन्होंने जल संरक्षण और ग्रामीणों के लिए इसके महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित किए जा रहे अनाज की गुणवत्ता और वितरण प्रक्रिया की भी जानकारी ली। कावरे ने अधिकारियों को इन सभी योजनाओं के प्रभावी और समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ताकि, गांव के सभी नागरिक इनसे लाभान्वित हो सकें।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी/हिंदी माध्यम विद्यालय कोमाखान में 61 छात्राओं को सायकल का वितरण

बागबाहरा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार की महती योजना नि:शुल्क सरस्वती साइकिल वितरण का कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत महासमुंद की सभापति अल्का चंद्राकर,अध्यक्षता हिरेंद्र उपाध्याय ह्यद्वस्त्र अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि सरपंच वीणा वाकडे,दुबेलाल साहु,नितिन जैन,पंकज जैन,माधव मांझी,अजय साहू,संतोष यादव,गोरखनाथ यादव,प्रदीप यादव,राम बहादुर थापा,गोमती यादव, भीमा साहु,हरीश गौतम,माहेश्वरी,मोनिका चंद्राकर आदि मौजूद रहे।

अतिथियों का स्वागत छात्राओं ने गीत व नृत्य प्रस्तुत कर किया।

मुख्य अतिथि अल्का चंद्राकर ने कहा कि केन्द्र व राज्य शासन अनेक योजनाएं चला रही है। इसका लाभ पात्र हितग्राही ले सकते हैं। छात्राओं को सरस्वती योजना से साइकिल मिलने पर अब घर से स्कूल पैदल आना नहीं पड़ेगा। इससे समय की बचत होगी। इसका उपयोग छात्र छात्राएं अपनी पढ़ाई के कार्यों में कर सकते हैं।हिरेंद्र उपाध्याय,नितिन जैन ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए नियमित स्कूल आने पढ़ाई करने की बात कही।

इस दौरान कक्षा नवमीं में अंग्रेजी माध्यम के 07 हिंदी माध्यम के 54 कुल 61 अध्यनरत बालिकाओं को साइकिल वितरण किया गया। छात्रों को साइकिल प्रदान करते हुए विद्यालय के प्राचार्य हीरासिंग नायक ने बताया कि विद्या अध्ययन में बालिकाओं के लिए दूरी बाधक न हो इसलिए सरस्वती साइकिल योजना की शुरुआत की गई थी। सरस्वती साइकिल योजना के तहत प्रदेश की बालिकाओं को साइकिल वितरण कर घर से स्कूल की दूरी को कम कर दिया है। प्राचार्य ने सभी बालिकाओं को नियमित रूप से समयानुसार विद्यालय आने और पढ़ाई कर अपने स्कूल और माता -पिता का नाम रोशन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में अनिरुद्ध साहू उप प्राचार्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बधाई दी।इस अवसर पर विद्यालय में इस योजना के प्रभारी सुनील कुमार शुक्ला,कुंदन यादव,व्याख्याता सुषमा बड़ा,अमरीका साहू,अंकिता व्यौहार,कविता चंद्राकर,सना मुमताज,स्वाति सोनी,टोकेश्वरी धीवर, कुसुमलता साव,मधुलाल गायकवाड, हिमांशु सोनी, सोहन पटेल, हिरेंद्र देवांगन, हेराल्ड सिंन्हा सहित शाला के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। मंच संचालन ईशा शुक्ला द्वारा किया गया।

लौहारीडीह कांड के खिलाफआमरण अनशन पर बैठे साहू समाज के युवा

पीड़ित परिवार व निर्दोषों को न्याय दिलाने उठाई आवाज

दुर्ग (समय दर्शन)। कवर्धा विधानसभा अंतर्गत ग्राम लौहारीडीह कांड के खिलाफ साहू समाज ने आंदोलन का विस्तार कर दिया है। धरना-प्रदर्शन के बाद अब जिला साहू संघ के युवा प्रकोष्ठ के सदस्यों ने सोमवार को हिन्दी भवन के सामने आमरण अनशन पर बैठकर पीड़ित परिवार व निर्दोषों के साथ न्याय और दोषी प्रशासनिक तंत्र के लोगों के खिलाफकड़ी कार्यवाही करने की आवाज उठाई गई। मांगों को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा गया है। मांगो में लौहारीडीह कांड में निर्दोष 70 से अधिक लोगों की तत्काल रिहाई, मृतक प्रशांत साहू के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी या 1 करोड़ रुपए का मुआवजा राशि देने, पीड़ित परिवार की भोजन व चिकित्सा व्यवस्था के अलावा दोषी प्रशासनिक लोगों के खिलाफकार्यवाही शामिल है। यह एक दिवसीय आमरण अनशन जिला साहू संघ के युवा प्रकोष्ठ संयोजक मुकेश साहू के नेतृत्व में किया गया। उनके साथ जिला संगठन सचिव रघुवीर साहू, संगठन के धनंजय साहू, राकेश साहू ने आमरण अनशन पर बैठकर लौहारीडीह कांड के खिलाफ आक्रोश जताया। जिला साहू संघ के युवा प्रकोष्ठ के आमरण अनशन को व्यापक समर्थन मिला है। आमरण अनशन स्थल पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री राजेन्द्र साहू, पूर्व विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, नगर निगम एमआईसी सदस्य दीपक साहू, संजय कोहले,प्रदेश साहू संघ उपाध्यक्ष भीखम साहू के अलावा अन्य समाज व संगठनों के सदस्यों ने पहुंच कर युवा प्रकोष्ठ की मांगो को जायज बताते हुए आमरण अनशन आंदोलन को समर्थन दिया गया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री राजेन्द्र साहू, पूर्व विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल ने संयुक्त रुप से कहा है कि लौहारीडीह कांड प्रदेश की पहली ऐसी घटना है, जिसमें दोषियों को प्रशासन व पुलिस का संरक्षण मिला है। इससे स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट हो गई है। घटना से साहू समाज में आक्रोश है। लगातार यह समाज न्याय की मांग कर रहा है,लेकिन शासन व प्रशासन द्वारा उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। कांग्रेस की न्याययात्रा भी प्रदेश में बढ़ते अपराध व अन्याय के खिलाफ निकाली गई थी। लौहारीडीह कांड की जितनी निंदा की जाए वह कम है। प्रदेश की भाजपा सरकार को पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के साथ घटना में निर्दोष लोगों की तत्काल रिहाई का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। आमरण अनशन आंदोलन को सन्नी साहू, कुलदीप साहू, सुनील साहू, हर्ष साहू, नवीन साहू, कुलेश्वर प्रसाद साहू, पोषण साहू, प्रीति साहू, हेमा साहू, हरीश साहू, नितेश कुमार, राकेश साहू, उमाशंकर साहू, उमेश साहू के अलावा अन्य लोगों ने समर्थन दिया है।

खबर-खास

10 अक्टुबर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम आयोजित

गरियाबंद (समय दर्शन)। 7 अक्तूबर से 11 अक्तूबर तक पांच दिवसीय विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह*मनाया जा रहा है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.गार्गी यदु पाल के आदेश एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ.लक्ष्मीकांत कांत जांगड़े के निर्देश से 7 अक्तूबर को *छ्रू।क्क गरियाबंद* द्वारा जिले के स्वामी आत्मानंद स्कूल में *तंबाकू नियंत्रण जागरूकता एवं विश्व मानसिक स्वस्थ्य सप्ताह*अभियान के तहत शिक्षक वर्ग के लिये कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमे *तंबाकू के दुष्प्रभाव एवं मानसिक स्वास्थ्य पर*कार्यक्रम मे बच्चो को तंबाकू से कैसे दूर रहना है पालक वर्ग को नियंत्रण कैसे करना है कैंसर, हृदय रोग,मधुमेय इत्यादी रोगों से कैसे अपने आप को बचाना है first hand second hand and third hand स्मोकिंग के बारे मे बताया गया इस कार्यक्रम मे स्कूल प्रबंधन का सहयोग रहा।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की सचिन तेंदुलकर के साथ शानदार साझेदारी, बनाया वैश्विक ब्रांड एंबेसडर

रायपुर। बड़े वैश्विक नेटवर्क वाले भारत के सबसे भरोसेमंद बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को बैंक के वैश्विक ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित किए जाने की घोषणा की। सचिन तेंदुलकर और बैंक ऑफ़बड़ौदा के बीच यह साझेदारी बैंक के उत्कृष्टता और विश्वास जैसे बुनियादी मूल्यों पर आधारित है। यह साझेदारी एक ऐसे समय पर हुई है जब बैंक ऑफ़बड़ौदा व्यवसाय विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के एक नए चरण में प्रवेश करने वाला है और सचिन की ब्रांड वैल्यू से इसे नई गति मिलेगी। बैंक ऑफ़ बड़ौदा सचिन के साथ मिलकर अपने पहले अभियान प्ले द मास्टरस्ट्रोक की शुरूआत कर रहा है। यह अभियान लोगों को प्रेरित करेगा कि वे एक मास्टरस्ट्रोक खेलें और एक सदी से अधिक की विरासत और करोड़ों लोगों के भरोसे पर खरे बैंक से जुड़कर अपने आर्थिक लक्ष्यों की पारी में एक बड़ा स्कोर बनाएं। भारत के विविधता पूर्ण प्रदेशों और देश के कोने-कोने में अपनी लोकप्रियता के साथ, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सचिन, बैंक के सभी ब्रांडिंग अभियानों, ग्राहक शिक्षा एवं वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों तथा धोखाधड़ी की रोकथाम पर जागरूकता अभियानों तथा ग्राहक एवं कर्मचारी जुड़ाव कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण बनेंगे। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की 17 देशों में व्यापक उपस्थिति है और एक वैश्विक स्पोर्ट्स ब्रांड के रूप में सचिन वैश्विक मंच पर बैंक के ब्रांड को और ऊंचाई पर लेकर जाएंगे।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक एमएनसी फंड, पोर्टफोलियो में मल्टीनेशनल कंपनियों के स्टॉक शामिल करने का मौका

मुंबई : अगर आप म्यूचुअल फंड की किसी नई और इनोवेटिव थीम वाली स्कीम में निवेश करना चाहते हैं, तो आपके पास अच्छा मौका है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (च्रूस्ष्ठ/कोटक म्यूचुअल फंड) ने मल्टीनेशनल कंपनीज (स्ह्रष्ट) थीम पर आधारित अपना न्यू फंड ऑफर (ह्स्नह्र) लॉन्च किया है। यह नई स्कीम कोटक एमएनसी फंड के नाम से लॉन्च की गई है, जो एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है। इस फंड के जरिए निवेशकों को ग्लोबल लेवल पर पहुंच वाली मल्टीनेशनल कंपनियों में एक्सपोजर मिलेगा। पोर्टफोलियो में अलग अलग सेक्टर और अलग अलग मार्केट कैप की मजबूत मल्टीनेशनल कंपनियों के स्टॉक होंगे, जिससे डाइवर्सिफिकेशन का भी लाभ मिलेगा। कोटक एमएनसी फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 7अक्टूबर, 2024को खुल रही है और इसमें 21अक्टूबर, 2024 तक निवेश किया जा सकता है। मल्टीनेशनल कंपनियों को अपनी ग्लोजबल उपस्थिति, मजबूत ब्रांड और रिसर्च एंड डेवलपमेंट क्षमताओं के साथ, अक्सर घरेलू कंपनियों पर कुछ बढ़त का लाभ मिलता है। कोटक एमएनसी फंड उन मल्टीनेशनल कंपनियों में निवेश पर फोकस करता है, जो अपनी मजबूत ग्लोबल ब्रांड प्रेजेंस, एडवांस ऑपरेशन, एडवांस टेक्नोलॉजी के चलते मिलने वाले लाभ, मजबूत मैनेजमेंट क्वालिटी और वित्तीय रूप से मजबूती के लिए जानी जाती हैं। ये कंपनियां अलग अलग सेक्टर में मौजूद हैं और महत्वपूर्ण इंटरनेशनल बिजनेस एक्सपोजर रखती हैं। यह फंड निवेशकों को एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जो इन अच्छी तरह से स्थापित ग्लोबल कंपनियों की दीर्घकालिक ग्रोथ क्षमता का लाभ उठाता है। यानी इसमें निवेशकों को मल्टीनेशनल कंपनियों की ग्रोथ का फायदा मिलता है। एमएनसी फंडों में निवेश करने से पोर्टफोलियो में डाइवर्सिफिकेशन आता है, जिससे रिस्क और अस्थिरता कम होती है।

राजस्व प्रकरणों का तेजी से करें निराकरण - कलेक्टर अग्रवाल

कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।उन्होंने अविवादित नामांतरण,बंटवारा, सीमांकन,राजस्व वसूली,नक्शा बटांकन,अभिलेखों की शुद्धता,डायवर्सन आदि राजस्व प्रकरणों की अनुविभागवार गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने लोगों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए लंबित राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये है।उन्होंने प्रकरण निराकरण पश्चात उसका अभिलेख दुरुस्तीकरण भी तय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने स्कूली एवं कॉलेज विद्यार्थियों के आय, जाति,निवास प्रमाण पत्र निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि छुटे हुए बच्चों के प्रमाण पत्र बनाने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जाए। कलेक्टर ने आरबीसी 6-4 एवं फसल क्षति के प्रकरणों पर कार्ययोजना बनाकर मुआवजा प्रकरणों का गंभीरतापूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने स्वामित्व योजना के तहत शासन के निर्देशानुसार सभी कार्यो को 31 अक्टूबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिये।इस दौरान सभी एसडीएम,तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं अन्य राजस्व अधिकारी मौजूद रहे।कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों से उनके क्षेत्र अंतर्गत पंजीकृत राजस्व प्रकरणों की विस्तृत जानकारी ली।साथ ही लंबे समय से दर्ज प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व न्यायालयों में दर्ज प्रकरण समय-सीमा के बाहर नहीं जाना चाहिए।उनका निराकरण तय सीमा के अंतर्गत हो जाना चाहिए।कलेक्टर ने शासन के मंशानुसार लोगों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए सक्रियता के साथ गंभीरतापूर्वक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये।कलेक्टर ने वन अधिकार पट्टों का डिजिटाइजेशन, अभिलेख कोष्ठ में अभिलेख जमा करने की स्थिति,मसाहती,असर्वेक्षित ग्रामों का सर्वेक्षण, शासकीय उचित मूल्य दुकान,स्कूल,आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण,पटवारी,राजस्व निरीक्षकों की बैठक लोकसेवा केन्द्र के अंतर्गत लंबित आवेदनों की जानकारी,लंबी अवधि तक अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर कार्यवाही एवं लंबित अनुकंपा नियुक्ति के सबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों से उनके न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली।इसके अलावा उन्होंने भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों एवं मुआवजा भुगतान,राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण करने निर्देश दिए। उन्होंने जनशिकायत, जनदर्शन,जनचौपाल इत्यादि प्रकरणों को अभियान चलाकर जल्द ही निराकृत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने बैठक में व्यपवर्तन,नगरीय क्षेत्रों में शासकीय व नजूल भूमि का आबंटन,वृक्ष कटाई की अनुमति,ई-कोर्ट पोर्टल में दर्ज प्रकरणों की स्थिति संबधी न्यायालयीन प्रकरणों के साथ-साथ ऑनलाईन नामांतरण पंजी,डिजिटल हस्ताक्षर,आधार प्रविष्टि,अभिलेख शुद्धता,नक्शा बटांकन आर.बी.सी.-6-4,जाति-आय-निवास प्रमाण-पत्र, पटवारी की उसके मुख्यालय ग्राम में उपस्थिति, भू-बंटन, भू-अर्जन,वसूली,अवैध उत्खनन,अतिक्रमण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना,भूमि आबंटन-व्यवस्थापन, लोकसेवा गारंटी एवं वन अधिकार पत्रों का दावा निपटान जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा की।कलेक्टर ने बैठक में अवैध निर्माण,अवैध कालोनी निर्माण पर कार्यवाही करने,भूमि आबंटन के प्रकरणों में जांच प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत करने व भू-अर्जन के प्रकरणों में मुआवजा राशि का वितरण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गय। साथ ही भू-राजस्व के वसूली की कार्यवाही में गति लाने, अवैध उत्खनन रोकने एवं अतिक्रमण के मामलों में आदेश पारित करने के उपरांत आदेश के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये गये।

कलेक्टर ने बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर से बेटी बचाओं,बेटी पढ़ाओं योजनान्तर्गत जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जागरूकता रथ में एलईडी के माध्यम से बेटियों के प्रति भेदभाव की समस्या पर अंकुश लगाने लोगों को जागरूक किया जायेगा।साथ ही दहेज के सामाजिक मानक,पितृसत्तामक आदि नकारात्मक सोच को बदलने के लिए जागरूकता रथ गांव-गांव जाकर बेटियों के प्रति सकारात्मक संदेश का प्रचार करेगा।भारत सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना का जागरूकता रथ जिले के सभी विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों तथा शहरी क्षेत्रों में बेटियों के प्रति नकारात्मक सोच को बदलने एवं बेटियों को बचाने,बेटियों को पढ़ाने एवं आगे बढ़ाने में सेतु का कार्य करेगा।इसके साथ ही इस जागरूकता रथ में लगी एलईडी के माध्यम से मतदान के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जायेगा।इस अभियान के माध्यम से बालिकाओं को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए इनके प्रावधानों की जानकारी भी ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचेगी।इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी अशोक कुमार पाण्डेय सहित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला एवं निगम प्रशासन की संयुक्त कार्रवाही, महाराजा चौक से लेकर बोरसी चौक तक सड़कों से हटाया कब्जा

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में आज जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन की संयुक्त कार्रवाही, सुबह 11 बजे महाराजा चौक में एसडीएम हरवंश मिरी,तहसीलदार पंचराम सलामे,अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,पद्मनाभपुर थाना प्रभारी,यातायात पुलिस अधिकारी,पुलिस बल और अमले के साथ पहुँचे।लगभग चार घंटे चली अतिक्रमण हटाओ अभियान की कार्रवाही।महाराजा चौक से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाही शुरू किया गया।साहू जलेबी, भारतीय स्टेड बैंक होते हुए बोरसी चौक क्षेत्र में अवैध कब्जों के खिलाफअभियान और तेज किया गया। सोमवार को ताबड़तोड़ कार्रवाई महाराजा चौक से बोरसी मार्ग में की गई। इस दौरान विरोध का प्रयास तो हुआ, लेकिन तोडू दस्ता व पुलिस बल के सामने उनकी एक नही चली।बोरसी चौक तालाब के करीब तोडू दस्ता ने खुल में मांस विक्रय करने वालों पर भी कार्रवाई की। दुकानदारों द्वारा टीनसेट व सड़क सीमा के आगे तक तार फेंसिंग और पक्का चबूतरा बनाया गया था, जिसको निगम के तोडू दस्ता ने सख्ती से कार्रवाही कर हटाया गया। दुकानदारो द्वारा टीन शेड डाल कर किए गए अवैध निर्माण को अतिक्रमण अधिकारी व राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता की उपस्थिति में जेसीबी से ध्वस्त कर दिया।महाराजा चौक से लेकर बोरसी रोड पर लम्बे समय से लगे प्रचार-प्रसार के बोर्ड को हटाकर निगम से अपने कब्जे में ले लिया।

पिकअप वाहन में ढो रहे यात्री,परिवहन विभाग बना मुकदर्शक

गरियाबंद (समय दर्शन)। राज्य के अंदर मॉल वाहक वाहनों में ढो रही यात्रीयो से भरी वाहनों के कई दुर्घटना घट चुकी है उन दुर्घटनाओं में कई लोगो को गंभीर चोट लगी वही कई लोगो की जान भी गई है,उन दुर्घटनाओं को देखते हुए कोर्ट के निर्देशानुसार जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ऐसे मॉल वाहन वाहनों में यात्रियों को यात्रा नही करने के संबंध में प्रतिबंध लगाने निर्देश जारी कर चुका है।लेकिन जिला मुख्यालय के परिवहन विभाग अपने कान में काटन डाल रखा है और अपने कार्यों मुख मोड़ते दिख रही है,जबकि नगर के मुख्य मार्ग और बस स्टेंड से ऐसे मॉल वाहक वाहनों में ठूस कर भरे यात्रियों को आते जाते देखा जाता है।ऐसा नजारा कभी कभार नही बल्कि रोज ही दिखाई पड़ता है ,जिसमे यातायात पुलिस तो कभी कभी शहर से बाहर वाहनों की जांच करने निकल जाती है लेकिन परिवहन विभाग के जिम्मेदार शहर के एक कोने में बैठकर अपने कार्यों को अंजाम देते है लेकिन शहर के अंदर से कौन सा वाहन किस स्थिति में है है इससे परिवहन विभाग को कोई ताल्लुक नही है या यू कहे की इन मॉल वाहक वाहनों में यात्रियों को ढोते वक्त किसी अनहोनी घटना के घटने का इंतजार कर रहे है ।

आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड ने 1300 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

रायपुर। आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 5) की पेशकश के जरिये कुल 13000 मिलियन (1300 करोड़) तक का फंड जुटाने की योजना बनाई है। आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड भारत में वीडियो सुरक्षा और निगरानी उत्पाद, समाधान और सेवाएं प्रदान करने वाली सबसे बड़ी कंपनी है, जिसका वित्तीय वर्ष 2024 में राजस्व के मामले में भारत में वीडियो निगरानी उद्योग में 20.2 प्रतिशत हिस्सा है (स्रोत: एफएंडएस रिपोर्ट)। कंपनी अपने 'सीपी प्लस' ब्रांड के तहत एंटरप्राइज और कंज्यूमर क्षेत्रों के लिए एडवांस्ड वीडियो सुरक्षा और निगरानी प्रॉडक्ट्स,टेक्नोलॉजीज और सॉल्यूशंस की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करती है, जिसका मजबूत रिकॉल वैल्यू है। इसके अलावा, कंपनी सीधे और अपने वितरण नेटवर्क के माध्यम से पूरी तरह से एकीकृत सुरक्षा प्रणाली और सिक्युरिटी-एज-ए-सर्विस जैसे समाधान और सेवाएं प्रदान करती है। ये ऐसे सोल्यूशंस हैं जो बैंकिंग, बीमा, रियल एस्टेट, स्वास्थ्य सेवा, औद्योगिक, रक्षा, शिक्षा, हॉस्पिटिलिटी, मैन्युफेक्चरिंग, रिटेल और खुदरा और कानून प्रवर्तन जैसे क्षेत्रों में लगे ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में कुल 5000 मिलियन (500 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम (''नया निर्गम'') और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 8000 मिलियन (800 करोड़) तक का ऑफर फॉर सेल (''बिक्री के लिए पेशकश'') शामिल है।

ओडिशा के सागौन तस्करों पर टाइगर रिज़र्व एन्टी पोचिंग टीम की दबिश

एक तस्कर गिरफ्तार, 10 फरार

गरियाबंद (समय दर्शन)। ओडिशा राज्य के ग्राम संबलपुर में वन विभाग द्वारा रेड कार्यवाही किया गया जिसमे ओडिशा वनअमला भी रहा शामिल रहे,इस कार्यवाही में आरोपियों से सागौन चिरान के साथ जंगली सूअर दांत,कछुए का छाल बन्दर की खोपड़ी,क्लच वायर फंदे जप्त किया गया।

घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार केदार कश्यप वनमंत्री वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग छ.ग. शासन,व्ही.श्रीनिवास राव प्रधान मुख्य वनसंरक्षक एवं वन बल प्रमुख (छ.ग.),सुधीर अग्रवाल प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रायपुर छत्तीसगढ़,सतोविशा समाजदार मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं क्षेत्र संचालक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व रायपुर (छ.ग.) वरुण जैन,उपनिदेशक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व गरियाबंद (छ.ग.) के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र रिसगांव (कोर एरिया) के कक्ष क्रमांक 246 में 5 अक्तूबर.2024 को ग्राम संबलपुर उड़ीसा के 11 व्यक्तियों के द्वारा अपने स्वयं के कुल्हाड़ी आरा लेकर बलात प्रवेश कर 14 नग सागौन वृक्षों की कटाई कर 11 नग स्लीपर बनाकर ले जाते समय पेट्रोलिंग श्रमिक और संयुक्त वन प्रबंधन समिति साल्हेभाठ के सदस्यो के द्वारा घेरा बंदी कर पकड़ने की कोशिश किया गया।जिसमे 1 व्यक्ति सुकालू राम पिता मिन्दरु गोड़ को पूछताछ के लिए बाकि 10 व्यक्ति मौके से फरार हो गये।सुकालू राम पिता मिन्दरु गोड़ को पकड़कर परिक्षेत्र कार्यालय रिसगांव लाकर पूछताछ किया गया।पूछताछ के दौरान सुकालूराम अपने कथन मे सभी फरार आनंद पिता शैलु रावत,अर्जुन पिता सुखचंद गोड़,रतन पिता संतु गोड़,राजाराम पिता फाना गोड़, लच्छन पिता मंगलु गोड़,सोमराज पिता फाना गोड़,दशरु पिता लच्छु गोड़,पुनीत पिता मेहर गोड़,गागरु पिता रघा कमार और धनसू पिता रुपसिंह गोड़ ग्राम संबलपुर, थाना कुन्दई,तहसील रायघर,जिला नवरंगपुर (उड़ीसा) बताया गया।आरोपी सुकालू राम पिता मिन्दरु गोड़ को पुलिस थाना सिहावा में पुलिस अभिरक्षा मे रखा गया।

7 अक्तूबर को प्रकरण के सभी 10 आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एन्टीपोचिंग टीम उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व का सहयोग लिया गया।एन्टीपोचिंग टीम के द्वारा सुकालू राम पिता मिन्दरु गोड़ को उनके गृह ग्राम संबलपुर (उड़ीसा) ले जाया गया जहा उनकी निशानदेही पर 3 आरोपियों के द्वारा छुपाये गये स्थान से 7 नग सागौन स्लीपर को दिखाया गया,जिसे विभाग के द्वारा जप्त किया गया।एक आरोपी के घर से जंगली सूअर का दांत,कछुए की छाल,बन्दर का जबड़ा एवं कई क्लच वायर फंदे बरामद हुए।सभी 10 आरोपी अपने अपने घर से फरार थे।मोजराज नेताम वनरक्षक के द्वारा सभी 11 आरोपियों के विरुध्द पी.ओ.आर. क्रमांक 01/17 दिनांक 06.10.2024 के तहत् वन अपराध पंजीबध्द किया गया।विवेचना अधिकारी महेन्द्र सिंह चौहान वनपाल के द्वारा आरोपी सुकालू राम पिता मिन्दरु गोड़ को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 एवं भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा के तहत् गिरफ्तार कर माननीय व्यवहार न्यायालय नगरी,जिला धमतरी के समक्ष पेश किया गया।व्यवहार न्यायालय नगरी को लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3 (1), की अनुमति के लिए निवेदन किया गया है। आरोपियों के द्वारा 14 नग सागौन वृक्षों की कटाई से 245838 रुपये की हानि हुई है।

NAME CHANGE

it is informed to the genaral Public that I, Karishana Agarwal S/0 Visharnath Agarwal 301-Malviy Nagar Durg(C.G.) have changed My Son old Name Saket Agrwal S/0 Karishona Agarwal So in future My New Name is Saket Agarwal S/0 Karishana Agarwal in all Government and Other documents.

Karishana Agarwal
House No. 301.
Malviy Nagar
DURG (C.G)

न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम

ईकोर्ट प्रकरण कमांक/ब-121/वर्ष 2023-24 ग्राम झिरौनी प0ह0नं0-25

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक घुरूवाराम कौशिक पिता चिन्ताराम - निवासी ग्राम झिरौनी तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा अपने माता अमोलाबाई पति चिन्ताराम का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के माता की मृत्यु दिनांक 10.02.1995 को ग्राम झिरौनी में हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मेरे समक्ष लिखित रूप से पेशी तारीख 17.10.2024 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार आज दिनांक 03.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलीन की मुहर से जारी किया गया।

पेशी दिनांक - 17.10.2024

मुहर

नायब तहसीलदार
पिपरिया

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं कृष्णा अग्रवाल पिता विश्वनाथ अग्रवाल निवासी मालवीय नगर दुर्ग मकान न0 301 यह शपथ करता हूं कि मेरे पुत्र का पुराना नाम Saket Agarwal पिता-कृष्णा अग्रवाल को त्याग कर नया नाम Saket Agarwal पिता कृष्णा अग्रवाल रख लिया हूँ। अतः आज से मेरे पुत्र को समस्त शासकीय,अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में उसके नये नाम Saket Agarwal पिता कृष्णा अग्रवाल से ही जाना पहचाना जावे।

कृष्णा अग्रवाल
म.न. 301, मालवीय नगर
दुर्ग (छ.ग.)

आम सूचना

मैं बी. आयुष पिता श्री बी. रवि राव, उम्र 30 वर्ष, निवासी-टी.आर.टी./बी- 359, ए.सी.सी. कालोनी, जामुल, तहसील भिलाई - 03 जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूं। कि मेरे मामा श्री एम.वी.एस. प्रसाद राव (M.V.S. Prasad Rao) पिता स्व. एम. सत्यनारायण (M. Satyanarayana), जो कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्या दुर्ग, जिला दुर्ग (छ.ग.) में पद L. ATTD. विभाग ,.E. City (Zone) Durg में कार्यरत थे। कि मेरे मामा श्री एम.वी.एस. प्रसाद राव (M.V.S. Prasad Rao) पिता स्व. एम. सत्यनारायण (M. Satyanarayana), के द्वारा मुझे बिना जानकारी दिये मेरा नाम अपने विभाग के नामिनी रिकार्ड पर दर्ज करवा दिये थे। कि मेरे मामा श्री एम.वी.एस. प्रसाद राव (M.V.S. Prasad Rao) पिता स्व. एम. सत्यनारायण (M. Satyanarayana), का स्वर्गवास दिनांक 09/08/2024, को हो गया है। कि मेरे मामा श्री एम.वी.एस. प्रसाद राव (M.V.S. Prasad Rao) पिता स्व. एम. सत्यनारायण (M. Satyanarayana), के द्वारा अपने सर्विस रिकार्ड पर मेरा नाम दर्ज है उसे मै हटवाना चाहता हूं कि भविष्य में किसी प्रकार का कोई लेन देन होता है तो उसका जवाबदारी मेरा नही होगा।

स्थान :- दुर्ग (छ.ग.)
दिनांक : 07/10/2024
बी आयुष

संक्षिप्त-खबर

सराईपतेरा एवं खवासपाली बसना में विहिप का शस्त्र पूजन कार्यक्रम

बसना (समय दर्शन)। बसना प्रखंड के ग्राम सराईपतेरा एवं खवासपाली में विश्व हिंदू परिषद के द्वारा विगत दिवस नगर भ्रमण एवम शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला पदाधिकारी,प्रखंड पदाधिकारी एवं ग्राम समिति के साथ साथ मातृशक्ति ,दुर्गावाहिनी के कार्यकर्ता विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल,खंड संपर्क प्रमुख आरएसएस दिनेश डडसेना, प्रखंड कार्याध्यक्ष विद्याचरण पटेल प्रखंड मंत्री अरुण प्रधान, सह मंत्री प्रेमचंद भोई विश्वहिंदू परिषद बजरंगदल के सुरेंद्र भोई,कमलेश, धीरज सामल,साहिल प्रधान,रोशन सामल, गुलशन,दर्शन,नरेश, प्रखंड संयोजिका सविता वर्मन, दीपांजलि बूढ़ेक,कीर्तन दल सराईपतेरा ग्राम के टिकेलाल सामल, अलीप सामल,दिलीप सामल ,दसरथी भोई, मथामणि सामल नंदलाल सामल,सिरपति, दिनेश सामल,गांव के वरिष्ठ जन ब्रजलाल सामल,हृदयानंद सामल,दुष्टिदेव सामल, मातृ शक्ति के रूप में संतोषीनी सामल,हिंगुला सामल और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।नगर भ्रमण सत्संग के साथ प्रारंभ किया गया।नगर भ्रमण पश्चात श्रीराम, मां भारती के तैल्य चित्र के समक्ष्य दीप प्रज्ज्वलित कर दीप मंत्र ,विजय महामंत्र ,हनुमान चालीसा पाठ,भजन कीर्तन, शस्त्र पूजन,मां भारती की आरती सभी सनातनियों ने की पुष्पांजलि व शांति पाठ के साथ कार्यक्रम की समाप्ति हुई। दुर्गा नवमी तक शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित होते रहेगा।सराईपतेरा वासियों को प्रति सप्ताह सत्संग करने के लिए आग्रह किया गया।

थानसिंह यादव दुर्ग निगम के बाजार प्रभारी बनाए गए

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रशासनिक व्यवस्था एवं विभागीय कार्य सुचारू रूप से सम्पादन की दृष्टि से आगामी आदेश थानसिंह यादव, प्र0राजस्व उपनिरीक्षक को जनगणना शाखा के समस्त दायित्वों से मुक्त करते हुए, मूल कार्यों के साथ-साथ प्रभारी बाजार अधिकारी का दायित्व सौपा जाता है। और ईश्वर वर्मा, सहायक राजस्व निरीक्षक को प्रभारी बाजार अधिकारी के समस्त दायित्वों से मुक्त कर बाजार विभाग में पदस्थ किया गया है।चन्दन मनहरे, राजस्व उपनिरीक्षक को जनगणना एवं निर्वाचन शाखा में पदस्थ किया गया। वे नोडल अधिकारी जनगणना एवं निर्वाचन शाखा के निर्देशानुसार कार्य सम्पादन करेंगे।

अमलेश्वर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस कार्यकर्ता धर्मेंद्र साहू के घर में जोत ज्वारा की पूजा अर्चना किया, दुर्गा पूजा उत्सव में भी शामिल हुए

पाटन। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज पाटन क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा उत्सव में शामिल होने दौरा किया। इसकी शुरुआत उन्होंने ग्राम अमलेश्वर से किया। अमलेश्वर में वह सबसे पहले न्यू स्टार साहड़ा देव दुर्गा उत्सव समिति के दुर्गा पंडाल पर पहुंचे। यहां पर विराजित मां दुर्गा की प्रतिमा की पूजा अर्चना किया। इसके बाद श्री बघेल कांग्रेस नेता धर्मेंद्र साहू के घर पहुंचे। यहां पर साहू परिवार के द्वारा जोत जवारा का स्थापना किया गया है। उन्होंने नारियल चढ़ा करके पूजा अर्चना किया। साथ ही साथ धर्मेंद्र साहू एवं उनके परिवार से मुलाकात भी किया। इस अवसर पर जिला पंचायत दुर्ग के सभापति मोनू साहू, जिला पंचायत के पूर्व सभापति राकेश ठाकुर सहित कांग्रेस के कई कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

जोहर छत्तीसगढ़ पार्टी ने नपा सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

अहिवारा (समय दर्शन)। अहिवारा परिक्षेत्र के अंतरगत हो रही दुर्घटनाओ को रोकने और आम लोगों की जान की रक्षा की खातिर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने नगर पालिका परिषद अहिवारा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी जिला उपाध्यक्ष कौशल साहू ने बताया की अहिवारा परिक्षेत्र के अंतर्गत जब से मुख्य सड़को का डामरीकरण हुआ है सड़क दुर्घटना बढ़ गई है जिसका मुखिया कारण है गति अवरोधक का न होना सड़क पर रेडियम पट्टी का लगा न होना, रेडियम सांकेतिक बोर्ड का लगा न

होना, सड़क के दोनों तरफ भारी मालवाहक गाड़ियों का खड़ा रहना,सड़क पर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था न होना है। अभी कुछ दिनों पहले ही जे के लक्ष्मी सीमेंट कारखाना के सामने मुख्य मार्ग में कई सड़क दुर्घटना हुई है जिसमें से 3 व्यक्ति की मृत्यु हो गई है और 4..5 लोग अस्पताल में अपना इलाज करवा रहे हैं जिन्हे गंभीर चोटे आई हैं। सबका मुख्य कारण सड़को पर मूलभूत सुविधाओं का ना होना रोशनी की व्यवस्था ना होना और भारी मालवाहक गाडियों का सड़क के दोनो तरफ खड़े रहना है7हमारी मांगे है कि यातायत मार्ग पर पर मूलभूत सुविधा उपलबध हो मालवाहक गाड़ियों को सड़क से हटाया जाए और रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था की जाये7 अगर हमारी मांगे जल्दी से जल्दी पूरी नहीं होती है तो जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी आम लोगों की जान की रक्षा की खातिर उग्र आंदोलन करने को बाधया होगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी और जवाबदारी नगर पालिका परिषद अहिवारा और प्रशासन की होगी 7 इस मौके पर विशेष रूप से धर्मेन्द्र साहू (जिला उपाध्यक्ष छत्तीसगढिया क्रांति सेना भिलाई नगर) कौशल साहू (जिला उपाध्यक्ष जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी दुरूग ग्रामीण) आशुतोष साहू (अध्यक्ष छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर) हिमालय ध्रुव(सचिव छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर) आजाद सिंह (उपाध्यक्ष जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अहिवारा नगर)महेंद्र ध्रुव (वरिष्ठकार्यकर्ता) उपस्थित थे।

मुस्लिम जमात बसना के मुतवल्ली बने अशरफ गिगानी

- कुल मत-755
- अशरफगिगानी को मिले-567 मत
- अशलम खान को मिले-170मत
- गुलाम जिलानी को मिले- 17 मत

बसना (समय दर्शन)। मुस्लिम जमात बसना के मुतवल्ली का चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत् छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के दिशा निर्देश पर मुस्लिम जमात खाना में निर्वाचन संपन्न हुआ। चुनाव संचालन की जिम्मेदारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में गठित आठ सदस्यीय दल जिसमें हाजी जब्बार कुरैशी,शिक्षक आरिफबेग ,शिक्षक

मो अलीम खान ,अधिवक्ता मो अशफाक खान ,शेख इल्यास,गफ्फार खान , नियाज खान ,अख्तर डेडा की उपस्थिति में, मतगणना अधिकारी आरिफबेग ने चुनाव संपन्न कराया ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुस्लिम जमात मुतवल्ली के लिए तीन प्रत्याशी अशरफ गिगानी,असलम खान एवं गुलाम जिलानी ने अपना नामांकन दाखिल किया था।

मुस्लिम समाज के चुनाव में कुल 755 मत पड़े।755 मतों में अशरफगिगानी को 567,असलम खान को 170 और गुलाम जिलानी को मात्र 17 मत मिले।एक मत निरस्त पाया गया।अशरफ गिगानी ने असलम खान को 397 मतों से परास्त कर मुस्लिम जमात के मुतवल्ली बनने का गौरव हासिल किया। मुस्लिम जमात के लिए मुतवल्ली का पद महत्वपूर्ण माना जाता है। चुनाव संचालन एवं पारदर्शिता हेतु छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने यह दल गठित किया था। मोहम्मद अशरफ गिगानी के मुतवल्ली बनने पर मुस्लिम जमात बसना के,पुर्व मूतवाल्ली,मोहतसीब हसन दानी,जनाब हनीफ अजमेरी,नसीम अहमद खान 卐इब्बू卐,मोहम्मद रजिक भाई, सोनू मछली बाहदार भाई,सलमान अशरफी,हुसैन अशरफी, इब्राहिम कादरी, अंजुल खान, कलीम खान, मोहम्मद सलीम भाई मिस्त्री, फरहान दानी, बबलू भाई,हबीब भाई,अकरम खान,फैजान दानी,बिलाल अजमेरी, इरफान गीगानी, हाजी मोहम्मद इमरान कादरी, अखमल कादरी, ग्राम अरेकेल, टेमरी,भूकेल,खटखटी,पिरदा, के सभी लोगों ने मुबारकबाद दी ।

आदर्श शिक्षक सम्मान से सम्मानित हुए धनीराम नंद, प्रवीर बेहरा एवं सुजाता प्रधान

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला बैगनडीह (बसना)में पदस्थ शिक्षक धनीराम नंद एवं बंसूला प्राथमिक शाला के शिक्षक द्वय प्रवीर बेहरा तथा सुजाता प्रधान अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा अंजोर भारत छत्तीसगढ़ बसना द्वारा आयोजित स्व.प्रेमसिंह साव आदर्श शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में मुख्यअतिथि डॉ.संपत अग्रवाल जी विधायक बसना के हाथों शॉल श्रीफल व स्मृति चिन्ह प्राप्त कर सम्मानित हुए। बसना विधानसभा के अनेक बहुमुखी प्रतिभा के शिक्षक हैं,जो शिक्षा के क्षेत्र में वे नवाचार करते रहते हैं ।एक आदर्श शिक्षक के रूप में उनकी एक विशिष्ट पहचान है। धनीराम नंद ,प्रवीर बेहरा तथा सुजाता प्रधान को सम्मानित किए जाने पर बसना के विकासखंड स्त्रोत समन्वयक डॉ.पूर्णानंद मिश्रा,डिजेन्द्र कुर्रे, अनिलसिंह साव,प्रेमचंद साव,डॉ विवेकानंद दास, खिरोद्र पुरोहित, गोवर्धन डडसेना, संकुल केन्द्र गिधली के समन्वयक गजेंद्र नायक ,बैगनडीह विद्यालय के प्रधानपाठक सूरत हाथी,शिक्षक नरेंद्र साव,शाला विकास समिति अध्यक्ष प्रकाश साहू,पारधान पाठक सुशील सिन्हा ,दिनेश डडसेना, कौशल बेहरा,पद्मिनी साहू,संतोषी साहू, गीतांजलि नाग,सीता साहू, प्रदीप साहू, प्रताप साहू , कमल साहू संकुल केन्द्र गिधली व बंसूला के सभी शिक्षकों ने बधाई प्रेषित कर हर्ष व्यक्त किया है।

राज्य स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने किया शुभारम्भ

- बसना विकासखण्ड के भंवरपुर मे राज्य स्तरीय आत्म रक्षा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ महासमुन्द कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने किया

अभय धृतलहरे/बसना(समय दर्शन)। जिला के कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग, खेल एवं युवा कल्याण तथा कूड़ो संघ महासमुंद के तत्वाधान में राज्य स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 5 से 9 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया गया हैं। जिसमें विभिन्न जिलों से प्रशिक्षण शिविर में युवक, युवतियां शामिल हैं। 7 अक्टूबर को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर महासमुंद विनय कुमार लंगेह, अध्यक्षता अपर कलेक्टर रवि साहू, विशिष्ट अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग समीर पांडे, एसडीएम बसना रवि राज साहू, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, तहसीलदार बसना अर्पण कुर्रे, परियोजना अधिकारी बसना चंद्रहास नाग, ग्राम पंचायत सरपंच भंवरपुर हेमबाई पटेल, उप सरपंच मनप्रीत कौर, प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर बसना कमल स्वर्णकार, लिलाकांत

पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित व पूजा अर्चना कर किया गया। स्वागत पश्चात् अध्यक्ष मीरा पंडा ने नशामुक्ति के विषय में जानकारी देकर लोगों को प्रेरित किया। समीर पांडे ने उद्बोधन में कहा कि बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ थीम को लेकर जिले में विभिन्न कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं। सुपोषित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए सही पोषण का संदेश देते हुए लोगों को जागरुक करने कहा गया। खेल अधिकारी ने आयोजन के विषय में बताते हुए आत्मरक्षा प्रशिक्षण के साथ नशामुक्ति अभियान, स्वच्छता, खेलकूद व विभिन्न जागरूकता रैली अयोजित कर लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से जिले में कार्य कर रहे हैं।

कलेक्टर ने लोगों को नशामुक्ति एवं पोषण की शपथ दिलाई : कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि ज़िले में विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को गतिविधियों में शामिल कराने कार्य किया जा रहा हैं। उन्होने कहा कि,पूर्व में सरायपाली एसडीएम रहकर काम किया हूं। इस क्षेत्र में युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए लगातार गतिविधियां संचालित किया जा रहा हैं। खास कर युवाओं से अपील करते हुए कहा कि, वो नशे से दूर रहें। सभी उपास्थित लोगों के माध्यम से क्षेत्र के नागरिकों को जागरुक करने नशा मुक्ति शपथ दिलाई गई, साथ ही पोषण शपथ दिलाई गई। खिलाड़ियों ने अतिथियों के समक्ष काता, कुमिते व नान चाकू का प्रदर्शन किया। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भंवरपुर के विद्यार्थियों ने उद्घाटन समारोह में स्वागत गीत, सरस्वती वंदना, सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी।

विद्यालय प्रांगण मे वृक्षारोपण कर लोगों को पेड़ लगाने प्रेरित किया : विद्यालय प्रांगण में कलेक्टर द्वारा वृक्षारोपण किया गया,एवं सभी लोगों को कम से कम एक पेड़ लगाने प्रेरित किया । प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से प्रतिदिन सुबह व शाम नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा हैं , जिसमें स्वच्छता कार्य एवं जागरूकता रैली के साथ युवाओं को नशा से दूर रहने नशा मुक्ति रैली निकाली गई व स्वास्थ्य लाभ के लिए खेलकूद, बीमारियों से दूर रखने के लिए स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता रैली का आयोजन कलेक्टर महासमुंद के निर्देशानुसार लगातार किया जा रहा हैं।

प्रशिक्षकों कलेक्टर ने स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रोत्साहित किया : राज्य स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न जिलों के मुख्य प्रशिक्षक को कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रोत्साहित किया। जिसमें रघुनाथ नेताम, छेदीलाल साहू, डिजेंद्र कुर्रे, संजय पंडा, उपेंद्र प्रधान, धनुर्जय चौधरी, अखिलेश आदित्य, रवि पाण्डेय, मीरा पंडा, बालाराम रावत, भगवती बांधे, जगन्नाथ साहू, अश्वनी कुमार, राजेश चक्रधारी, दलेश राणा, राकेश साहू, दीपक निषाद, धनीराम निराला, खेलावन , सरोजिनी खटकर, दिलीप सोनवानी, केशव बारीक, बी पी देवांगन, संजना साहू आदि।

भाजपा कार्यालय में कन्या भोज- विधायक गजेंद्र यादव ने देवी स्वरुप नवकन्या की पूजन किये

दुर्ग (समय दर्शन)। नवरात्रि के पांचवा दिन जिला भाजपा कार्यालय में नवकन्या भोज आयोजित किया गया। शहर विधायक गजेंद्र यादव ने देवी स्वरुप नवकन्या की पूजा अर्चना कर जनकल्याण की कामना करते आशीर्वाद लिए। इस दौरान जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा, उपाध्यक्ष विनायक नातू, राजेंद्र पाध्ये, सुरेंद्र कौशिक सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी सभी कन्याओ खीर पूड़ी, फल एवं मिस्ठान प्रसादी परोसे।

बेटी बचाओ पढ़ाओ के तहत नवरात्रि के पावन अवसर पर आज भाजपा कार्यालय में कन्या भोज में छोटी छोटी बच्चियां शामिल हुई। विधायक गजेन्द्र यादव, जिलाध्यक्ष सहित भाजपा पदाधिकारियों ने देवी स्वरूप कार्यालय पहुंची कन्याओ का पुष्प बरसाकर स्वागत कर उनका पैर धुलवाये। हॉल में कतार से बैठी कन्याओ को चुनरी ओढ़ाकर कन्याओ का आरती लेकर चंदन तिलक लगाए और भोजन प्रसादी हेतु आमंत्रित किये। भोजन पश्चात् सभी कन्याओ को उपहार के रूप चूड़ी, बिंदिया सहित श्रृंगार का सामान भेंट कर सभी के सुख समृद्धि की कामना कर आशीर्वाद लिए। इस दौरान पूरा कार्यालय जय माता दी के जयकारे से गूँजता रहा। जिला संयोजक बानी सोनी, अल्का बाघमार, अजय तिवारी, रजनीश श्रीवास्तव, मानसी गुलाटी, दीपक देवांगन, मौसमी ताम्रकार, ज्योति नामदेव, राजेश्वरी वर्मा, सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

ब्रह्मकुमारीज 'आनंद सरोवर' बघेरा में स्नेह मिलन समारोह व योग तपस्या कार्यक्रम संपन्न

- जितना बिज़ी उतना इजी यह कला हमें राजयोग ही सिखाता है-ब्रह्माकुमार आत्मप्रकाश
- हम लोग जब अपने चरित्र को धर्म के अनुकूल रखेंगे तो ही राष्ट्र का परिवर्तन होगा- चतुर्भुज राठी

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में शनिवार को नगर के गणमान्य नागरिकों के लिए स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया तथा रविवार को संस्था में प्रतिदिन आने वाले भाई बहनों के लिए एक दिवसीय योग तपस्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में संस्था के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माऊँट आबू राजस्थान से युवा प्रभाग के अध्यक्ष आत्मप्रकाश भाई (मुख्य अतिथि),संतोष रुंगटा (चेयरमेन,रूंगटा कॉलेज),चर्तुभुज राठी(समाजसेवी) निर्मल जैन (समाजसेवी) रीटा बहन (संचालिका ब्रह्माकुमारीज दुर्ग) तथा नगर के गणमान्य नागरिकों के अलावा योग तपस्या में लगभग 1800 भाई-बहन में सम्मिलित हुए कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा कुमारी चंद्राणी , युक्ति , जागृति और लीना के मनमोहक नृत्य से हुआ । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रीटा बहन ने निराकार परमपिता परमात्मा शिव का धन्यवाद किया। आपने कहा यह हम सभी का परम सौभाग्य है माऊँट आबू से नवरात्रि में हमारी शक्तियों को जागृत करने के लिए

आत्मप्रकाश भाई आयें हैं जिनका हार्दिक स्वागत है साथ में मंचासीन सभी आगंतुक अतिथियों व दर्शक दीर्घा में विराजमान सभी भाई - बहनें व योग तपस्या में आये हुए ब्रह्मा वत्सों का हार्दिक स्वागत है ।

सकारात्मक जीवन शैली विषय पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमार आत्मप्रकाश भाई ने कहा कि नकारात्मकता जीवन से दिखाई देती है उसको सकारात्मकता में परिवर्तन करने की आवश्यकता है क्योंकि जब हमारा दृष्टिकोण नकारात्मक होता है तो हमारे मन में ना चाहते हुए भी नकारात्मक विचार आता है और यह बहुत लोगों का स्वभाव बन चुका है। कोई व्यक्ति ने बहुत सुंदर सफेद वस्त्र पहना हुआ है उस पर छोटा सा काला दाग है तो सबसे पहले हमारा ध्यान काला दाग पर जायेगा । आपने अपने जर्मनी प्रवास के समय का अनुभव साझा करते हुए बताया किसी ने वहां आपसे एक प्रश्न पूछा कि दुनिया में आध्यात्मिक संस्थाएं इतनी बढ़ रही है लेकिन मनुष्य का नैतिक पतन क्यों हो रहा है? इसका आपने बहुत सुंदर तरीके से उत्तर दिया आपने बताया की सभी स्थानों पर ज्ञान तो दिया जाता है , कि यह गलत है , यह सही है , यह करना चाहिए , यह नहीं करना चाहिए किंतु गलत को न करने की शक्ति आज मनुष्य आत्माओं में क्षीण हो गई है यह शक्ति हमें राजयोग से मिलती है जब हम स्वयं को आत्मा निश्चय कर निराकार परमपिता परमात्मा शिव पिता से संबंध जोड़ते हैं तो हमारे अंदर वह शक्ति जागृत होती है जिससे हम विकारों व बुराइयों से सहज ही मुक्त हो जाते हैं । बतौर विशिष्ट अतिथि संतोष रुँगटा ने कहा कि बड़ा सौभाग्य है हमारा ऐसे लग रहा है आत्म प्रकाश भाई को सुनकर ऐसा लगा मैं शिवानी दीदी को सुन रहा हूं जितनी सभा यहां है यहां 90त्न से ज्यादा तो सकारात्मक ही होंगे । चतुर्भुज राठी ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम ही सर्वोत्तम है इस धारण से उपर उठना होगा तो हमारे अंदर से नकारात्मक का भाव खत्म हो जाएगा। हमारे अंदर जो धर्म की प्रमाणिकता है हमें ऐसे नहीं लगता कि और कहीं ऐसी प्रमाणिकता होगी । हम लोग जब अपने चरित्र को धर्म के अनुकूल राष्ट्र के अनुकूल रखेंगे तो घर समाज व राष्ट्र में परिवर्तन देखने को मिलेगा । समाजसेवी निर्मल जैन ने भी सभी को अपनी शुभकामनाएं दी ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24